सच बोलने की हिम्मत

राजधानी चौपाल

RNI No. HARHIN/25/A3341

अंक : 03 | वर्ष : 01 | साप्ताहिक (15 से 21 जनवरी 2026) | पृष्ठ 8 | मूल्य : 5/- रुपये | E-mail : rajdhanichoupal@gmail.com

अहीरवाल में राव का एकछत्र राज निपटाने की तैयारी:नरबीर-अभय विरोध में उतरे

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| अहीरवाल क्षेत्र की सियासत में एकछत्र राज कर रहे राव इंद्रजीत पर पहली बार सीधे जुबानी हमले हो रहे हैं और वो भी नाम लेकर। नायब सरकार में कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह और पूर्व मंत्री डॉ. अभय सिंह यादव खुलकर केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत और प्रदेश में कैबिनेट मंत्री उनकी बेटी आरती राव को सीधे निशाने पर ले रहे हैं। राव इंद्रजीत के लिए छोटे दिल वाला और अहीर समाज के ठेकेदार जैसे शब्द इस्तेमाल हो रहे हैं।

रविवार को राव नरबीर सिंह ने तो यहां तक कह दिया- राव इंद्रजीत पर उम्र का तकाजा है। वे पुरानी बातें भूल गए हैं। मेरा तो राजनीतिक जीवन ही राव इंद्रजीत को हरा कर शुरू हुआ है। 26 साल की उम्र में मैंने जाटूसाना जाकर राव इंद्रजीत को उनके गढ़ में हराया था। असल में अहीर वोटरों के प्रभाव वाली 11 विधानसभा सीटों वाले अहीरवाल क्षेत्र में भाजपा नेताओं में मचे घमासान पर पार्टी की चुप्पी हैरान कर रही है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस खुली बयानबाजी को पार्टी हाईकमान की मौन स्वीकृति हो सकती है। राव नरबीर और डॉ. अभय सिंह को खुली छूट मिली है, तभी तो सार्वजनिक मंचों पर इस तरह की बयानबाजी के बावजूद किसी पर अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं हुई।

हालांकि, सोमवार को दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कहा- पार्टी इसका संज्ञान लेगी। जैसे ही राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया पूरी होगी, इन नेताओं को बुलाया जाएगा और उनसे बातचीत की जाएगी।

पिछले कुछ दिनों में अहीर नेताओं की इस तरह हुई बयानबाजी...

मंत्री राव नरबीर 3 बड़े बयान...

1. मेरी मदद के बिना इंद्रजीत न जीत पाते: 29 दिसंबर को गुरुग्राम के एक शो में राव नरबीर ने कहा- मैं खिलाफत करता तो राव इंद्रजीत इस बार गुरुग्राम लोकसभा सीट से चुनाव नहीं जीत पाते, लेकिन उन्होंने मेरी कभी मदद नहीं की। मुझे उनकी मदद की जरूरत भी नहीं है। मैं अपने दम पर और जनता के वोट पर चुनाव जीतता हूं।

2. राव को जो सम्मान मिला, देश में किसी को नहीं मिला: 16 जनवरी को रेवाड़ी में उन्होंने कहा- भाजपा ने जो सम्मान राव इंद्रजीत सिंह के परिवार को दिया है, वैसा शायद देश में कहीं किसी और को नहीं मिला होगा। पिता केंद्र में तो बेटी प्रदेश में मंत्री हैं। अब उनकी क्या इच्छा पूरी नहीं हुई, ये मैं नहीं जानता। 5 विधायकों से कोई सीएम नहीं बनता।

3. मेरे हाथों मिली हार को राव उम्र के तकाजे के कारण भूल गए: 18 जनवरी को गुरुग्राम में कहा- जब मैं 26 साल का था, तब मैं जाटूसाना से चुनाव लड़ा। जाटूसाना राव इंद्रजीत का आज भी गढ़ है। मैंने वहीं जाकर राव इंद्रजीत को हराया।

अभय यादव के 2 बयान...

1. राव इंद्रजीत के प्रभाव को चुनौती दी: पूर्व मंत्री अभय सिंह ने राव इंद्रजीत को "छोटे दिल वाला" और "अहीर समाज के ठेकेदार" बताकर हमला किया। बोले- मैं चाहता हूं कि अहीरवाल में राव इंद्रजीत का "राजघराना" प्रभाव कम हो।

2. कुछ लोग सीएम बनने के सपने देखते हैं: 4 जनवरी को नांगल चौधरी से भाजपा के पूर्व मंत्री डॉ. अभय सिंह यादव ने राव इंद्रजीत सिंह पर निशाना साधते हुए कहा कि जिनकी कभी किसी मुख्यमंत्री के साथ नहीं बनी, वे अपने क्षेत्र में विकास कहां से कराएंगे।

ये जुबानी जंग अहीरवाल का बड़ा नेता बनने की होड़

हरियाणा की राजनीति पर द पॉलिटिक्स ऑफ चौधर शीर्षक से किताब लिख चुके वरिष्ठ पत्रकार डॉ. सतीश त्यागी का कहना है कि इसमें कोई शक नहीं कि अहीरवाल की राजनीति में रामपुरा हाउस (राव इंद्रजीत का पैतृक आवास) का बड़ा प्रभाव रहा है। तीन पीढ़ियों से उनकी प्रतिद्वंद्विता राव नरबीर के परिवार से रही है। राव नरबीर पहले भी नाम लेकर राव इंद्रजीत पर निशाना साधते रहे हैं। इस बार खुलकर बोल रहे हैं, नाम ले रहे हैं। अब राव इंद्रजीत भी खुलकर बोल रहे हैं, तो कंट्रोवर्सी बढ़ गई है। यह जुबानी जंग केवल अहीरवाल का बड़ा नेता बनने की होड़ के चलते हो रही है। डॉ. अभय सिंह अपने वजूद के लिए लड़ रहे हैं। उन्हें केंद्रीय मंत्री एवं पूर्व मुख्यमंत्री मनोहरलाल का खासमखास माना जाता है।

राव के कंट्रोवर्सी में रहने की 3 बड़ी वजह...

1. पार्टी से ऊपर उठने की कोशिश: राव इंद्रजीत सिंह बार-बार पार्टी लाइन से हटकर बयान देते हैं, जैसे दक्षिण हरियाणा को "उचित इनाम" न मिलने की शिकायत, मुख्यमंत्री न बन पाने की टीस, या पूर्व सीएम मनोहर लाल खट्टर और वर्तमान सीएम पर अप्रत्यक्ष बयानबाजी। वे अक्सर कहते हैं कि हमने सरकार बनाई।

2. आंतरिक कलह और गुटबाजी बढ़ाना: अहीरवाल बेल्ट में राव इंद्रजीत का मजबूत प्रभाव है। पहले कांग्रेस और अब भाजपा को जिताने में उनका प्रभाव रहा है। 2024 विधानसभा चुनाव में 11 में से 10 सीटें जीतीं। वे अपने गुट को मजबूत करने के लिए इंडिपेंडेंट प्रत्याशियों को आगे बढ़ाते हैं, जैसे मानेसर मेयर चुनाव में उनके समर्थित उम्मीदवार जीतीं, जबकि भाजपा के आधिकारिक प्रत्याशी हारे। पार्टी अब राव नरबीर को आगे बढ़ाकर उनके प्रभाव को बैलेंस करना चाहती है, ताकि कोई एक व्यक्ति क्षेत्र पर हावी न रहे।

3. सीएम पद की महत्वाकांक्षा: राव इंद्रजीत 75 साल के हो चुके हैं। इसके बावजूद वे मुख्यमंत्री बनने की इच्छा जाहिर करते रहते हैं, जो पार्टी के फैसले नायब सैनी को सीएम बनाने के खिलाफ जाता है। 2024 चुनाव में अहीरवाल ने भाजपा को मजबूती दी, लेकिन वे इसका क्रेडिट खुद लेते हैं, जिससे पार्टी की साख को नुकसान पहुंचता है। कुछ नेता मानते हैं कि राव इंद्रजीत पार्टी की केंद्रीय छवि और एकता के लिए चुनौती बन गए हैं।

ट्रम्प के प्लेन में खराबी आने से लिया यूटर्न, एक घंटे बाद दूसरे प्लेन से स्विट्जरलैंड रवाना

ट्रंप स्विट्जरलैंड रवाना हुए, ग्रीनलैंड पर दिखा सकते हैं आक्रामक रूख

जेनेवा (राजधानी चौपाल)| अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के विमान में तकनीकी खराबी की वजह से उसे रास्ते में यूटर्न लेना पड़ा। व्हाइट हाउस के मुताबिक, टेकऑफ के बाद क्रू को एक मामूली इलेक्ट्रिकल खराबी का पता चला था, जिसके बाद वे वॉशिंगटन लौट आए।

ट्रम्प आज सुबह स्विट्जरलैंड के दावोस के लिए रवाना हुए थे। वे यहां वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की बैठक में शामिल होंगे और अपनी ग्रीनलैंड पॉलिसी पर भाषण देंगे। फ्लाइट ट्रैकिंग डेटा के मुताबिक, विमान ने न्यूयॉर्क के लॉन्ग आइलैंड के पास अटलांटिक महासागर के ऊपर उड़ान भरने के लगभग एक घंटे बाद वापस मुड़ने का फैसला किया। इसके बाद एयर फोर्स वन सुबह करीब 9:30 बजे मैरीलैंड में सुरक्षित उतरा।

विमान उतरने के लगभग एक घंटे बाद ट्रम्प दूसरे विमान से दावोस के लिए रवाना हो गए। इस दूसरे विमान को भी एयर फोर्स वन के तौर पर ही इस्तेमाल किया जाता है।

चार दशक पुराने प्लेन का इस्तेमाल कर रहे ट्रम्प : ट्रम्प की आधिकारिक यात्राओं के लिए फिलहाल बोइंग 747-200B का एयर फोर्स वन के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। इस बेड़े में ऐसे दो विमान हैं, जो करीब चार दशक पुराने हैं। अमेरिकी विमान निर्माता बोइंग इनके नए विकल्प तैयार कर रहा है, लेकिन इस प्रोजेक्ट में देरी हो रही है। पिछले साल कतर के शाही परिवार ने ट्रम्प को एक लग्जरी बोइंग 747-8 जंबो जेट दिया था, जिसे एयर फोर्स वन फ्लीट में शामिल किया जाना है। इस फैसले पर काफी सवाल उठे थे। फिलहाल उस विमान को सुरक्षा मानकों के मुताबिक तैयार किया जा रहा है।

ट्रम्प ग्रीनलैंड को लेकर सख्त रुख दिखा रहे हैं...

ग्रीनलैंड को लेकर ट्रम्प का रुख लगातार सख्त होता जा रहा है। ट्रम्प इसे अमेरिका की सुरक्षा और रणनीतिक ताकत से जोड़कर देख रहे हैं। उनका मानना है कि आर्कटिक क्षेत्र में बढ़ती गतिविधियों, खनिज संसाधनों और सैन्य अहमियत के चलते ग्रीनलैंड पर अमेरिका का प्रभाव होना जरूरी है। ट्रम्प ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक मैप शेयर किया था, जिसमें ग्रीनलैंड, कनाडा और वेनेजुएला को अमेरिका का हिस्सा दिखाया गया था। ग्रीनलैंड विवाद के साथ-साथ ट्रम्प ने यूरोप और बाकी दुनिया को टैरिफ को लेकर भी साफ चेतावनी दी है। अमेरिका ने डेनमार्क, ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी समेत आठ यूरोपीय देशों पर 10% टैरिफ लगाया है। अमेरिकी प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि अगर विरोध

जारी रहा तो यह टैरिफ 25% तक बढ़ाया जा सकता है। ट्रम्प की नीति साफ है कि व्यापार को अब कूटनीति और दबाव बनाने के हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया जाएगा।

WEF 2026 भारत के लिए अहम क्यों

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम 2026 भारत के लिए काफी अहम है। इस मंच पर भारत अपनी मजबूत अर्थव्यवस्था, निवेश के मौके और भविष्य की योजनाओं को दुनिया के सामने रख रहा है। सरकार और उद्योग जगत के बड़े नेता यहां एक साथ पहुंचकर भारत को निवेश और साझेदारी के लिए आकर्षक देश के तौर पर पेश कर रहे हैं।

WEF 2026 में भारत से जुड़ी अहम बातें

- WEF 2026 में भारत का बड़ा प्रतिनिधिमंडल शामिल हो रहा है।
- भारत से 80 से ज्यादा बड़े उद्योगपति, सीईओ और सीनियर नेता दावोस पहुंचे हैं।
- भारत निवेश, मैन्युफैक्चरिंग, टेक्नोलॉजी और डिजिटल विकास पर जोर दे रहा है।
- विदेशी कंपनियों और निवेशकों के साथ भारत साझेदारी बढ़ाने की कोशिश कर रहा है।
- भारत अपनी तेज आर्थिक वृद्धि और भविष्य की योजनाओं को वैश्विक मंच पर रख रहा है।

राज्यपाल पंचकूला, सीएम गुरुग्राम व मनोहर हांसी में करेंगे गणतंत्र दिवस पर ध्वजारोहण

भाजपा के तीसरी बार सत्ता में आने के बाद भी इंद्रजीत का सूची में नाम नहीं

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल)| गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में 26 जनवरी को होने वाले समारोह में ध्वजारोहण करने वाले मुख्य अतिथि तय कर दिए गए हैं। राज्यपाल असीम घोष पंचकूला में ध्वजारोहण करेंगे। एटहोम राजभवन में होगा।

सीएम नायब सिंह सैनी गुरुग्राम में होने वाले समारोह में शिरकत करते हुए ध्वजारोहण मंत्रियों में सिर्फ मनोहर लाल ही करेंगे। खास बात यह है कि तीन केंद्रीय हरियाणा में ध्वजारोहण करेंगे। वे नए बने जिले हांसी के समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। प्रदेश में भाजपा की तीसरी बार सरकार बनने के बाद तीसरे मौके पर भी ध्वजारोहण करने वाले मुख्य अतिथि की लिस्ट में केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह का नाम नहीं है।

इसी प्रकार केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर का नाम भी सूची में नहीं है। वहीं, राज्यसभा सांसद किरण चौधरी के पास सरकारी कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बनकर ध्वजारोहण करने का आखिरी मौका था, लेकिन उनका भी नाम सूची से गायब है।

यह जरूर कहा जा सकता है कि राव इंद्रजीत और किरण चौधरी मुख्य अतिथि कहीं नहीं बन रहे हैं, लेकिन मंत्री बनीं उनकी बेटियां जरूर ध्वाजारोहण करेंगी। राव इंद्रजीत सिंह की बेटी एवं स्वास्थ्य मंत्री आरती राव फरीदाबाद तो राज्यसभा सांसद किरण चौधरी की बेटी एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी जींद में ध्वजारोहण करेंगी।

उपमंडल स्तर पर निर्दलीय व भाजपा के विधायक, मेयर और जिप चेयरमैन भी फहराएंगे तिरंगा : उपमंडल स्तर पर भाजपा व निर्दलीय विधायक ध्वजारोहण करेंगे। जिन उपमंडल पर भाजपा के विधायकों के दायरे में नहीं आते, वहां जिला परिषद चेयरमैन, डिविजनल कमिश्नर, मेयर ध्वजारोहण करेंगे। वहीं, महेंद्रगढ़ में ध्वजारोहण के लिए दो नाम लिखे गए हैं। इनमें मंत्री राव नरबीर सिंह और विधायक ओमप्रकाश यादव शामिल हैं।

किस जिला मुख्यालय पर कौन करेगा ध्वजारोहण...

मुख्यालय	नेता	मुख्यालय	नेता
यमुनानगर	अनिल विज	सिरसा	विपुल गोयल
भिवानी	रणबीर गंगवा	सोनीपत	श्याम सिंह राणा
हिसार	महिपाल ढांडा	अम्बाला	रेखा शर्मा
कुरुक्षेत्र	कृष्ण कुमार बेदी	नूंह	सुभाष बराला
महेंद्रगढ़	राव नरबीर सिंह	पलवल	रामचंद्र जांगड़ा
पानीपत	कृष्ण लाल पंवार	चरखी दादरी	धर्मबीर सिंह
रेवाड़ी	गौरव गौतम	कैथल	नवीन जिंदल
झज्जर	राजेश नागर	करनाल	हरविंद्र कल्याण
रोहतक	अरविंद शर्मा	फतेहाबाद	कृष्ण लाल मिढ़ा

आरती बोलीं-राव की बात पूरा हरियाणा सुनता है...

रेवाड़ी (राजधानी चौपाल)| अहीरवाल में भाजपा के दो दिग्गजों के बीच चली आ रही जुबानी जंग में मंगलवार को आरती राव भी खुलकर कूद गई। आरती राव ने राव इंद्रजीत सिंह के विरोधियों को जवाब देते हुए कहा कि राव साहब जब बोलते है तो उन्हें सुनने के लिए पूरे हरियाणा के कान खड़े हो जाते हैं। उनके जैसी साफ छवि का नेता पूरे हरियाणा में शायद कोई होगा। अपने साथियों के साथ वे हमेशा ढाल बनकर खड़े रहते हैं। उनकी यहीं बातें कुछ लोगों को पसंद नहीं आती परंतु लोगों को बहुत पंसद आती है। आरती राव ने कहा कि पिता ने मुझे हमेशा ईमानदारी से काम करने और अपने लोगों के साथ खड़े रहना सिखाया है।

नितिन नबीन ने बुलाई हरियाणा बीजेपी की मीटिंग सीएम सैनी, बड़ौली और संगठन मंत्री होंगे शामिल

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल)| भारतीय जनता पार्टी (BJP) के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनते ही नितिन नबीन ने हरियाणा बीजेपी की पहली बैठक बुला ली है। नई दिल्ली में होने वाली इस बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सहित प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, संगठन मंत्री फणीन्द्र नाथ शर्मा शामिल होंगे।

इस बैठक में कई अहम मुद्दों पर चर्चा होगी। हरियाणा के संगठनात्मक ढांचे को लेकर भी राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ प्रदेश के नेता मंथन करेंगे। इसके अलावा दक्षिण हरियाणा में पार्टी नेताओं के बीच चल रहे सियासी घमासान का भी बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष फीडबैक लेंगे। नई दिल्ली में हरियाणा निवास में पत्रकारों से बातचीत करते हुए प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ हरियाणा के नेताओं की यह पहली बैठक होगी। इस बैठक को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। हरियाणा बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में बड़ौली ने बताया कि इस पर भी जल्द फैसला हो जाएगा। हालांकि हरियाणा भाजपा अध्यक्ष को लेकर फैसला राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय नेतृत्व को लेना है, वह अपने हिसाब से ही इस पर फैसला लेंगे। दरअसल, हरियाणा में पार्टी अध्यक्ष पर फैसला होना है। अभी मोहन लाल बड़ौली कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में ये जिम्मेदारी देख रहे हैं।

दक्षिण हरियाणा में बीजेपी नेताओं के बीच चल रही जुबानी जंग पर प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा अनुशासित पार्टी है, अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। फरीदाबाद लोक सभा सीट से सांसद व केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर, प्रदेश में तीनों मंत्री और पार्षदों को जल्दी बुलाया जाएगा उनसे बातचीत की जाएगी।

नारनौल के शहीद सूबेदार हीरालाल की सैन्य सम्मान के साथ विदाई

मुख्याग्नि देकर बेटा बेला- मैं भी सेना में जाउंगा; जम्मू-कश्मीर में पेट्रोलिंग के दौरान हुए शहीद

महेन्द्रगढ़ (राजधानी चौपाल) | हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के

नारनौल का एक और वीर सपूत ने देश की सेवा में सर्वोच्च बलिदान दिया है। भारतीय सेना की आतंकवाद विरोधी विशेष इकाई राष्ट्रीय राइफल्स (RR) में तैनात सूबेदार हीरालाल उत्तरी कश्मीर के बारामुला सेक्टर में पेट्रोलिंग के दौरान शहीद हो गए। तिरंगे में लिपटा उनका पार्थिव शरीर पैतृक गांव अकबरपुर पहुंचा।

कुछ देर के लिए उनके शरीर को अंतिम दर्शन के लिए रखा गया। इसके बाद पार्थिव शरीर को वहां से श्मशान घाट ले जाया गया। जहां पूरे सैन्य सम्मान के साथ उन्हें विदाई दी गई। बेटे गजेंद्र ने मुखाग्नि दी। बेटे ने कहा कि उन्हें पिता की शहादत पर गर्व है। वह भी सेना में जाकर देश की सेवा करेगा। अंतिम संस्कार में नांगल चौधरी से विधायक मंजू चौधरी, नांगल चौधरी पंचायत समिति अध्यक्ष कर्मपाल, DSP सुरेश कुमार, SHO भगत सिंह, पूर्व चेयरमैन प्रवीण चौधरी, विकास यादव बड़कोदा, विनोद यादव भील, प्रमोद ताखर और बलदेव सिंह चहल सहित अनेक लोग थे।

गश्त के दौरान खाई में गिरे: जानकारी के अनुसार, सूबेदार हीरालाल 9 जनवरी को अपने साथियों के साथ एक बेहद संवेदनशील और दुर्गम पहाड़ी इलाके में नियमित गश्त (पेट्रोलिंग) पर थे। बर्फ जमे और फिसलन भरे संकरे रास्ते पर अचानक संतुलन बिगड़ने के कारण वह खाई में जा गिरे। इस हादसे में उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

25 साल की देश की सेवा: महेंद्रगढ़ जिले के नांगल चौधरी थाना क्षेत्र के गांव अकबरपुर के निवासी हीरालाल का जन्म 27 अप्रैल 1981 को हुआ था। वह 30 जनवरी 2000 को भारतीय सेना में भर्ती हुए। करीब 23 वर्षों की सेवा के दौरान उन्होंने जम्मू कश्मीर सहित कई कठिन क्षेत्रों में ड्यूटी निभाई और 23 मई 2023 को सूबेदार के पद पर पदोन्नत हुए।

सैन्य सम्मान के साथ होगा अंतिम संस्कार : अकबरपुर गांव में सैन्य सम्मान के साथ शहीद का अंतिम संस्कार किया जाएगा। सेना की टुकड़ी उन्हें अंतिम सलामी देगी और गांव के लोग अपने वीर सपूत को विदा करेंगे। ग्रामीणों ने कहा- अकबरपुर के लिए यह गर्व और गम दोनों का पल होगा, जब एक बेटा देश के लिए अपने प्राण न्योछावर कर अमर हो गया।

तिरंगा यात्रा निकालेंगे ग्रामीण

सूबेदार हीरालाल के पार्थिव देह के गांव पहुंचने से पहले ही अकबरपुर में शोक की लहर है। ग्रामीणों ने तय किया है कि वीर सपूत को अंतिम विदाई तिरंगा यात्रा के साथ दी जाएगी। गांव की गलियों से होकर जब तिरंगे में लिपटा उनका शरीर गुजरेगा तो हर घर से श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। स्थानीय लोग, पूर्व सैनिक और जनप्रतिनिधि भी अंतिम दर्शन के लिए पहुंचने की तैयारी कर रहे हैं।

एक बेटा और एक बेटी, पिता हार्ट के मरीज

सूबेदार हीरालाल के 88 वर्षीय पिता हरिराम गांव में रहते हैं और अक्सर अस्वस्थ रहते हैं। वह हार्ट के मरीज हैं। बेटे की शहादत की खबर से परिवार में शोक का माहौल है। शहीद की पत्नी रोशनी देवी गृहिणी हैं। बेटा गजेंद्र आइआइटी पुणे में पढ़ाई कर रहा है और बेटी स्नेहलता दिल्ली में नर्सिंग की पढ़ाई कर रही है। परिजन का कहना है कि परिवार के लिए हीरालाल ही हर भरोसे और हर हिम्मत का आधार थे।

वंदे भारत ट्रेन के पहिए में लोहे का टुकड़ा फंसा

सोनीपत में तेज आवाज के बाद रोकनी पड़ी, अमृतसर से दिल्ली जा रही थी

सोनीपत (राजधानी चौपाल) | अमृतसर से नई दिल्ली जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन एक घंटे तक सोनीपत में रेलवे स्टेशन के पास खड़ी रही। ट्रेन के पहिए में लोहे का एक टुकड़ा फंस गया था। पहिए से तेज आवाज आने पर लोको पायलट ने सतर्कता दिखाते हुए ट्रेन को सोनीपत रेलवे स्टेशन पर सुरक्षित खड़ा किया, जिसके बाद रेलवे प्रशासन ने तुरंत जांच शुरू की। लोहे का टुकड़ा निकाले जाने के बाद पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में वंदे भारत को नई दिल्ली के लिए रवाना किया गया।

सोनीपत में अचानक रुकी वंदे भारत ट्रेन : शनिवार दोपहर 2 बजे वंदे भारत एक्सप्रेस जब सोनीपत के सांदल कलां रेलवे स्टेशन के पास से गुजर रही थी, तभी ट्रेन के पहिए से अचानक तेज आवाज आने लगी। आवाज लगातार बढ़ने पर स्थिति को गंभीर मानते हुए लोको पायलट ने ट्रेन को हिंदू गर्ल्स कॉलेज के नजदीक सुरक्षित रूप से रोक दिया।

पहिए में फंसा मिला लोहे का टुकड़ा : प्रारंभिक जांच में सामने आया कि ट्रेन के पहिए में लोहे का एक टुकड़ा फंसा हुआ था। ट्रेन के आगे बढ़ने के साथ यह टुकड़ा पहिए के अंदर की ओर खिसकता गया, जिससे आवाज और तेज होती चली गई। इसी कारण ट्रेन को आगे बढ़ाने से पहले रोकना जरूरी समझा गया।

GRP-RPF की टीमें मौके पर पहुंचीं : वंदे भारत ट्रेन के रुकने की सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन ने जीआरपी और आरपीएफ को अलर्ट किया। सोनीपत रेलवे स्टेशन पर स्थित दोनों थानों की अलग-अलग टीमें मौके पर पहुंचीं और ट्रेन के पहियों की बारीकी से जांच की गई। जांच के दौरान पहिए में फंसे लोहे के टुकड़े को बाहर निकाल लिया गया।

जीपीआर थाना प्रभारी की 2 बातें...

1. टुकड़ा फंसने की 2 संभावनाएं: GRP थाना प्रभारी धर्मपाल ने बताया कि दोपहर 2:08 बजे ट्रेन सोनीपत रेलवे स्टेशन पर आकर खड़ी हुई थी। इसे लगभग 3 बजे रवाना किया गया। प्रारंभिक जांच में दो संभावनाएं सामने आई हैं। पहली संभावना यह है कि किसी शरारती तत्व या बच्चों द्वारा रेलवे ट्रैक पर लोहे का टुकड़ा रखा गया हो, जो ट्रेन के पहिए में फंस गया। दूसरी संभावना यह भी है कि ट्रेन का ही कोई छोटा पार्ट टूटकर पहिए के पास फंस गया हो।

2. जांच के बाद ट्रेन को रवाना किया: उन्होंने कहा कि सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वंदे भारत एक्सप्रेस की पूरी तकनीकी जांच की गई। सभी पहलुओं की पुष्टि के बाद ट्रेन को आगे के लिए रवाना किया गया। इस प्रक्रिया में करीब एक घंटे का समय लगा, जिसके चलते ट्रेन अपने निर्धारित समय से देरी से चली। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि या कोई अन्य नुकसान नहीं हुआ।

हरियाणा में रेट बढ़ाने से पहले 4 जिलों में सुनवाई

एचईआरसी ने बिजली कंपनियों ने डाटा मांगा; रेगुलर-संविदा कर्मियों की जानकारी देनी होगी

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | हरियाणा में बिजली उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ने वाले बोझ को लेकर हरियाणा विद्युत नियामक आयोग (HERC) ने कड़ा रुख अपनाया है। प्रदेश में बिजली की नई दरें (टैरिफ) लागू करने से पहले आयोग ने बिजली कंपनियों की कार्यप्रणाली और उनके वित्तीय रिकॉर्ड की गहराई से जांच शुरू कर दी है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा सर्वोपरि है और बिना पूरी जांच-पड़ताल के टैरिफ पर कोई अंतिम फैसला नहीं लिया जाएगा।

आयोग ने ये भी स्पष्ट किया है कि अंतिम शुल्क आदेश जारी करने से पहले सभी सुझावों की जांच की जाएगी। आयोग ने यह भी घोषणा की कि फरवरी और मार्च के बीच चार जिलों - गुरुग्राम और हिसार में डीएचबीवीएनएल और पानीपत और यमुनानगर में यूएचबीवीएनएल के लिए अतिरिक्त जन सुनवाई आयोजित की जाएगी।

एचवीपीएन से वर्ल्ड बैंक लोन की डिटेल मांगी

एचवीपीएन की बात सुनने के बाद, आयोग ने ट्रांसमिशन यूटिलिटी को स्थापना के बाद से लिए गए विश्व बैंक ऋणों का विवरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया, जिसमें ब्याज दरें, विदेशी मुद्रा में उतार-चढ़ाव और प्रभावी उधार लागत शामिल हैं। एचवीपीएन को वित्त वर्ष 2026-27 के लिए अनुमानित मूल्यह्रास वृद्धि को उचित ठहराने, चल रहे पूंजीगत कार्यों और वित्त वर्ष 2029-30 तक प्रस्तावित पूंजीकरण का विवरण प्रदान करने, इक्विटी के रूप में माने जाने वाले संचित लाभ को पूंजी आरक्षित में स्थानांतरित करने और अपने ब्याज भार को कम करने के लिए ऋण अदला-बदली विकल्पों पर विचार करने के लिए भी कहा गया है।

एचपीजीसीएल के मामले में, आयोग ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए नियमित और संविदा कर्मचारियों की संख्या के साथ-साथ लागत विवरण सहित विस्तृत कर्मचारी डेटा मांगा। इसके अलावा, आयोग ने कोयला नमूना एजेंसियों का विश्लेषण, पिछले तीन वर्षों में कोयले की गुणवत्ता संबंधी दावे, उत्पादन प्रदर्शन डेटा, कार्यशील पूंजी ऋण और पानी की उपलब्धता के बावजूद जलविद्युत संयंत्रों के अनुपलब्ध होने के कारणों का विश्लेषण भी मांगा।

कंपनियों के रिटेल सप्लाई चार्ज एक समान

एचईआरसी के चेयरमैन नंदलाल शर्मा ने बताया कि, उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम लिमिटेड और दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम लिमिटेड के संयुक्त मामलों में एक विस्तृत अंतरिम आदेश भी पारित किया है। इसमें यह पाया गया कि उत्तरी और दक्षिणी हरियाणा में रिटेल सप्लाई चार्जेज एक समान हैं और इसलिए एक सामान्य नियामक दृष्टिकोण की आवश्यकता है। आयोग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए ट्रू-अप, वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए मध्य-वर्ष प्रदर्शन समीक्षा और वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए कुल राजस्व आवश्यकता से संबंधित याचिकाओं को एक सामान्य आदेश के माध्यम से निपटाने के लिए एक साथ जोड़ दिया।

सर्दी का सितम : दिल्ली में बर्फीली हवाओं और बूंदाबांदी के कारण दिनभर कांपते रहे लोग

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल) | दिल्ली के लोगों के लिए सर्दी का सितम और भी तेज हो गया है। शुक्रवार को इस सीजन में पहली बार न्यूनतम तापमान पांच डिग्री से नीचे रहा। मौसम विभाग का अनुमान है कि शनिवार को राजधानी में मध्यम से घना कोहरा देखने को मिल सकता है। इसके लिए मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है।

धूप नहीं निकलने से अभी तक दिल्ली में अधिकतर दिनों में अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही थी। वहीं, न्यूनतम तापमान तुलनात्मक तौर पर सामान्य था। हालांकि, अब बर्फीली हवाओं के चलते न्यूनतम तापमान तेजी से गिर रहा है। दिल्ली की मानक वेधशाला सफदरजंग में शुक्रवार का न्यूनतम तापमान 4.6 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 2.3 डिग्री कम है। यह इस मौसम का सबसे कम न्यूनतम तापमान है।

इस सीजन में दिसंबर और जनवरी में सिर्फ चार मौकों पर न्यूनतम पारा छह डिग्री से नीचे आया हो, जबकि पांच डिग्री से नीचे तापमान पहली बार पहुंचा है। वहीं, सफदरजंग में अधिकतम तापमान 19.7 डिग्री सेल्सियस रहा।

दो वर्ष में सबसे ठंडी जनवरी

राजधानी में न्यूनतम पारा 4.6 डिग्री रहा। यह दो वर्षों में जनवरी महीने का सबसे कम तापमान है। इससे पहले 16 जनवरी 2024 को दिल्ली में न्यूनतम पारा 3.5 डिग्री सेल्सियस रहा था। मौसम विभाग का अनुमान है, शनिवार को अधिकतम तापमान 16 से 18 डिग्री और न्यूनतम तापमान 5 से 7 डिग्री के बीच रहेगा। सुबह के समय ज्यादातर जगहों पर मध्यम और कहीं-कहीं घना कोहरा छाया रह सकता है।

कांग्रेस की नई कार्यकारिणी की तैयारी में लगे अध्यक्ष

राहुल गांधी की मौजूदगी में लग सकती है मुहर

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | कुरुक्षेत्र के ब्रह्मसरोवर स्थित पंजाबी धर्मशाला में 13 से 22 जनवरी तक प्रस्तावित कांग्रेस के 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के दौरान हरियाणा कांग्रेस की नई कार्यकारिणी के गठन पर मुहर लगने की संभावना है। प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह कार्यकारिणी में शामिल किए जाने वाले सदस्यों की सूची तैयार करने में जुटे हैं। वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक में यह सूची राहुल गांधी के समक्ष रखी जाएगी, जिसके बाद अंतिम सहमति ली जाएगी। राव नरेंद्र सिंह के अनुसार कार्यकारिणी की घोषणा कभी भी की जा सकती है।

11 साल बाद जिलाध्यक्षों की नियुक्ति पूरी : लंबे 11 साल के इंतजार के बाद हरियाणा कांग्रेस ने जिलाध्यक्षों की नियुक्ति पूरी कर ली है। पार्टी ने 22 जिला अध्यक्षों समेत कुल 32 जिलों और शहरी इकाइयों के अध्यक्षों की घोषणा की है। अब प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह जिला कार्यकारिणी के गठन की तैयारी में हैं, ताकि संगठनात्मक ढांचा पूरी तरह सक्रिय हो सके।

प्रशिक्षण शिविर के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 19 या 20 जनवरी को कुरुक्षेत्र पहुंचने की संभावना है। हालांकि, उनके कार्यक्रम पर अभी अंतिम मुहर नहीं लगी है। इसी क्रम में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का शेड्यूल भी राहुल गांधी के साथ जारी होने की उम्मीद है।

हाईकमान का मुख्य एजेंडा : कांग्रेस हाईकमान का मुख्य उद्देश्य जिलाध्यक्षों को पार्टी की नीतियों से गहराई से अवगत कराना और उन्हें जमीनी स्तर पर प्रभावी रणनीतिकार के रूप में तैयार करना है। इस प्रशिक्षण शिविर में हरियाणा और उत्तराखंड के जिलाध्यक्ष शामिल होंगे। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि यह शिविर संगठन को मजबूत करने और आगामी चुनावों के लिए कार्यकर्ताओं को तैयार करने में अहम भूमिका निभाएगा।

जल्द डेट का किया जाएगा ऐलान : प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने बताया कि राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे का शिविर में आना तय है, लेकिन आधिकारिक कार्यक्रम जारी होने के बाद ही विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी। प्रशिक्षण के दौरान जिलाध्यक्षों को घर-घर पहुंचने, जनता के मुद्दों को मजबूती से उठाने, वोट चोरी, अपराध में वृद्धि, किसानों से जुड़े सवालों और अन्य स्थानीय समस्याओं को तार्किक ढंग से सिरे तक पहुंचाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा।

इसलिए दिया जाएगा प्रशिक्षण : सूत्रों के मुताबिक संगठन विस्तार और नेता प्रतिपक्ष की नियुक्ति के बाद राहुल गांधी समीक्षात्मक बैठक भी करेंगे। सख्त चेतावनियों के बावजूद प्रदेश कांग्रेस में वरिष्ठ नेताओं और उनके समर्थकों के बीच गुटबाजी के मामले सामने आते रहे हैं। ऐसे में कई वरिष्ठ नेताओं के लिए यह चुनौती बन गया है कि वे राहुल गांधी के समक्ष अपनी बात किस तरह रखें। प्रशिक्षण का उद्देश्य पार्टी को भीतर से मजबूत करना, गुटबाजी खत्म करना और जमीनी स्तर पर कांग्रेस को फिर से खड़ा करने की रणनीति नेताओं को बारीकी से समझाना है।

हाइड्रोजन ट्रेन : लखनऊ, दिल्ली की टीम लौटी, 3 दिन बाद दोबारा मानक चेक होगा

डीपीसी व कोच के उपकरण अपग्रेड होने पर होगा हाइड्रोजन ट्रेन का ट्रायल

अनुसंधान निदेशालय की टीम फिर डिस्पेंडिंग के बाद देगी ट्रायल की अनुमति

सोनीपत (राजधानी चौपाल) | जींद-सोनीपत के बीच चलने वाली देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन के पहले फेज में 3 दिन की डिस्पेंडिंग में सुरक्षा के लिहाज से स्टैंडर मैंटेन करने को कहा है। फाइनल टेस्टिंग से पहले 2 ड्राइवर पावर कार (डीपीसी) और 8 यात्री कोच के उपकरणों को अपग्रेड करने के लिए एक सप्ताह की डेडलाइन है। अनुसंधान निदेशालय की टीम फिर 3 दिन डिस्पेंडिंग करने के बाद ट्रायल के लिए फाइनल रिपोर्ट देगी।

भारतीय रेलवे की नई तकनीक और डिजाइनों पर शोध करने वाली आरडीएसओ के अनुसंधान निदेशालय ने हाइड्रोजन ट्रेन के डीपीसी से लेकर यात्री कोच को और अपग्रेड करने को कहा है। जींद रेलवे स्टेशन पर हाइड्रोजन प्लांट के फीलिंग लाइन में खड़ी डीपीसी व यात्री कोच में तीन दिनों तक डिस्पेंडिंग किया। इसमें सामने आया कि रेलवे की सुरक्षा एवं संरचना के मानक को पूरा करने के लिए डीपीसी में लगे उपकरणों को और अधिक अपग्रेड करने की जरूरत है। 3 दिन की डिस्पेंडिंग रिपोर्ट पर अनुसंधान निदेशालय ने एक सप्ताह में अपग्रेड करने का कार्य करने को कहा है। इसके बाद फिर लखनऊ आरडीएसओ की टीम स्टैंडर के अनुसार ट्रेन के कलपुर्जों और डिब्बों का परीक्षण करेगी। सब कुछ सही मिला तो फाइनल ट्रायल की संस्तुति देगी। आरडीएसओ की इसी रिपोर्ट के आधार पर ट्रेन को ट्रायल के लिए पटरी पर उतारा जाएगा। रेलवे के शीर्ष अधिकारियों के नेतृत्व में लखनऊ आरडीएसओ, मेधा सर्वो, इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आइसीएफ) के विशेषज्ञों की टीम की देखरेख में जींद सोनीपत रेल लाइन पर ट्रायल होगा। हाइड्रोजन ट्रेन के ट्रायल की तारीख अभी मुख्यालय से सार्वजनिक नहीं की गई है।

ट्रायल के लिए आरडीएसओ की रिपोर्ट जरूरी

रेलवे के किसी भी नई ट्रेन को पटरी पर उतारने से पहले आरडीएसओ मानकों की जांच करके रिपोर्ट बनाती है। रिपोर्ट में अगर कोई खामी दर्शाई गई तो उसे पटरी पर उतारने का लाइसेंस जारी नहीं हो सकता है।

हाइड्रोजन ट्रेन को लेकर भी ऐसा ही हुआ, 3 दिनों की डिस्पेंडिंग और टेस्टिंग के बाद आरडीएसओ ने जो रिपोर्ट दी उसके अनुसार ट्रायल के लिए अभी तरीख घोषित नहीं की गई।

- **32 निदेशालयों के विशेषज्ञ कर रहे निगरानी:** आरडीएसओ के 32 निदेशालयों के विशेषज्ञ की निगरानी में ट्रेन को शुरू कराया जाना है। इसके लिए एक एक कलपुर्जी और उपकरणों के स्टैंडर जांचे जा रहे। बैंगलोर, भोपाल, मुंबई, कोलकाता, जयपुर, हैदराबाद और नई दिल्ली के विशेषज्ञ अपने स्तर पर रिपोर्ट बना रहे। रेलवे की आधुनिक यात्री सुविधाओं वाली ट्रेन के एलएचबी और विस्टाडोम कोचों का डिजाइन आरडीएसओ ने किया है।

सीजेआई का 'घर' में अभिनंदन न्याय को सुलभ बनाने पर जोर

कोर्ट में न्याय का खून दौड़े, गरीबों का दर्द समझे, तभी सफल : सीजेआई सूर्यकांत

नारनौंद और बरवाला में कोर्ट कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन किया

हिसार (राजधानी चौपाल) | देश के सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि ज्यूडिशियरी कोर्ट कॉम्प्लेक्स की इमारतें तो बन जाएंगी, लेकिन वे तभी सफल होंगी, जब उनमें न्याय का खून दौड़े और गरीब का दर्द समझने की क्षमता हो। वे शनिवार को बरवाला और नारनौंद पहुंचे। यहां नवस्थापित कोर्ट का उद्घाटन किया और न्यायिक परिसर का शिलान्यास किया। वहीं, बरवाला में पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधरोपण भी किया।

सीजेआई ने बताया कि सोमवार से बरवाला में बनी अदालतों में कामकाज शुरू हो जाएगा। बरवाला और उकलाना क्षेत्र के 6 हजार से अधिक मामले फिलहाल हिसार की अदालतों में विचाराधीन हैं। नई अदालतों से अब इन मामलों की सुनवाई और निपटारा बरवाला में ही हो सकेगा। सीजेआई ने कहा कि सभी व्यक्तियों को समय पर न्याय मिले, अदालतें इसी स्थापित उद्देश्य से की उनके जा नजदीक अदालतें स्थापित की जा रही हैं। अदालतें जितनी नजदीक होंगी, उतना ही आम व्यक्ति अधिकारों की रक्षा के लिए आसानी से न्याय की लड़ाई लड़ सकेगा। अदालतों की स्थापना का मूल उद्देश्य 'एक्सेस टू जस्टिस', यानी आम नागरिक तक न्याय को सरल, सुलभ और सस्ता बनाना है। संविधान निर्माताओं ने ने हर राज्य में हाई कोर्ट इसी सोच के बनाए कि नागरिकों को न्याय के लिए दिल्ली न जाना पड़े।

शिक्षा से बड़ा कोई निवेश नहीं

सीजेआई का उनके पैतृक गांव पेटवाड़ में जोरदार स्वागत किया गया। सम्मान समारोह में सीजेआई ने 13 मिनट संबोधन किया, जिसमें गांव की मिट्टी की खुशबू, गुरुओं का त्याग और शिक्षा की अपार शक्ति साफ झलक रही थी। इस दौरान वे कई बार भावुक हुए। उन्होंने कहा कि गांव का स्नेह और बुजुर्गों का आशीर्वाद ही मेरे जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। आज जो कुछ हूं उसमें इस गांव, यहां के शिक्षकों और लोगों का योगदान है। उन्होंने बच्चों को भविष्य बताते हुए कहा कि यदि उन्हें सही शिक्षा, मार्गदर्शन और अवसर मिले, तो भारत कहीं अधिक तेजी से उन्नति कर सकता है। उन्होंने अभिभावकों से कहा कि पढ़ाई को सर्वोच्च प्राथमिकता दें, क्योंकि शिक्षा से बड़ा कोई निवेश नहीं है।

रायपुर चौक पर किन्नू से भरा ट्रक पलटा, लगी आग, लाखों रुपये का हुआ नुक्सान

हिसार (राजधानी चौपाल) | शुक्रवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे दिल्ली-सिरसा बाईपास पर रायपुर चौक के पास एक किन्नू से भरा ट्रक पलट गया। यह ट्रक अबोहर से बंगाल की ओर जा रहा था दिल्ली बाइपास के पास ब्रेकर पर असंतुलित होकर पलट गया।

पलटते ही ट्रक में आग लग गई, जिससे ट्रक पूरी तरह जलकर राख हो गया। हादसे में ट्रक चालक प्रवेश और उसका साथी क्लीनर बाल-बाल बच गए। दोनों सुरक्षित हैं। हादसे के बाद ट्रक में भरे कीन्नू सड़क पर बिखर गए। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक ट्रक पूरी तरह जल चुका था।

भाजपा गांधी जी के नाम पर योजनाएं बंद करके देश की जनता का अपमान कर रहे हैं : बजरंग गर्ग

हिसार (राजधानी चौपाल) | शहर के प्रतिनिधियों की मीटिंग हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सीनियर प्रवक्ता व हिसार जिला शहरी अध्यक्ष बजरंग गर्ग की अध्यक्षता में हुई। बजरंग गर्ग ने उपस्थित प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को बंद करने की साजिश कर रही है। भाजपा सरकार ने महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार मनरेगा का नाम बदलकर गांधी जी का अपमान किया है, जिस किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बजरंग गर्ग ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने फरवरी 2006 में बापू महात्मा गांधी जी के नाम पर गरीबों के लिए मनरेगा की योजना को लागू कि थी। जिसके तहत ग्रामीण गरीब लोगों को साल में 100 दिन गारंटी से काम मिलता था मगर भाजपा सरकार ने 6 करोड लोगों में सिर्फ 50 लाख ग्रामीणों को ही रोजगार दिया और उसमें भी 100 दिन की बजाय सिर्फ 50 दिन गरीबों को काम देकर गरीबों के मुंह का निवाला छीनने न का काम किया है। बजरंग गर्ग ने कहा कि बापू महात्मा गांधी जी ने एक लंगोटी व एक सोटी से भारत देश को आजाद करने में अपनी अहम भूमिका निभाई।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किया गुजविप्रौवि के कैलेंडर का विमोचन

हिसार (राजधानी चौपाल) | मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जीजेयू के वर्ष 2026 के कैलेंडर का विमोचन किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसीराम बिश्नोई ने मुख्यमंत्री से चंडीगढ़ में विशेष भेंट की। कुलपति ने मुख्यमंत्री को विश्वविद्यालय की रैंकिंग और अन्य उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी। कुलपति ने मुख्यमंत्री को बताया कि विश्वविद्यालय ने प्रधानमंत्री तथा मुख्यमंत्री के विजन पर आधारित नए रोजगारपरक कोर्स आरंभ किए हैं। विदेशों के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों के साथ एमओयू किए गए हैं। बीएससी नर्सिंग कोर्स आरंभ करने वाले गुजविप्रौवि प्रदेश का पहला राज्य विश्वविद्यालय बना है। गुजविप्रौवि द्वारा यूजी कोर्सिज में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पहले ही लागू की जा चुकी है।

आगामी से पीजी कोर्सिज में भी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लागू कर दी जाएगी। कुलपति ने मुख्यमंत्री को विश्वविद्यालय के आगामी विजन के बारे में जानकारी दी। इससे पूर्व कुलपति ने पंचकूला में आयोजित एक कार्यक्रम में भी भाग लिया। इस कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्यातिथि थे। इस कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों और सतत मूल्यांकन के लिए 'नेशनल एजुकेशन इवैल्यूएशन एंड वेलिडेशन (नीव) पोर्टल का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री की उपस्थिति में 'ज्ञान सेतू' पहल के अंतर्गत स्वर्ण जयंती हरियाणा इंस्टीट्यूट फॉर फिजिकल मैनेजमेंट और राज्य के 28 प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों के बीच एमओयू हुए हैं। गुजविप्रौवि भी इन संस्थानों में एक है।

गुजविप्रौवि की ओर से कुलपति प्रो. नरसीराम ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए तथा माननीय मुख्यमंत्री की उपस्थिति में एमओयू का आदान प्रदान किया गया।

डॉ. ओमप्रकाश कादयान को 'राष्ट्रीय बाल साहित्यकार सम्मान'

हिसार (राजधानी चौपाल) | हिसार के मार्वल सिटी निवासी प्रसिद्ध साहित्यकार, लोक साहित्य के मर्मज्ञ तथा यायावर छायाकार डॉ. ओमप्रकाश कादयान को श्रेष्ठ बाल साहित्य सृजन व बाल विकास के लिए किए गए अनुपम कार्यों के लिए राष्ट्रीय बाल साहित्यकार सम्मान, 'बाल साहित्य भूषण' प्रदान किया गया है। डॉ. कादयान को यह सम्मान साहित्य मंडल श्रीनाथद्वारा की ओर से राजस्थान के श्रीनाथद्वारा में आयोजित राष्ट्र स्तरीय तीन दिवसीय साहित्यिक कार्यक्रम व साहित्यकार सम्मान समारोह में रविकांत गर्ग, राज्यमंत्री (उत्तर प्रदेश), आचार्य विनय महाराज (कोटा), श्याम प्रकाश देवपुरा, प्रधानमंत्री साहित्य मंडल, मदन मोहन शर्मा, अध्यक्ष तथा अन्य आए अतिथियों ने प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह, श्रीफल, श्री नाथ का स्वरूप, नकद दाशि देकर, शॉल ओढ़ाकर, मोतियों की माला पहनाकर, सम्मान पटका प्रदान करके सम्मान किया।

डॉ. कादयान ने बाल विकास के लिए सराहनीय कार्य किया है। इनके बच्चों से संबंधित आलेख, बाल कहानियां भी छपती रहती हैं। इसी कार्यक्रम में राज्य मंत्री रविकांत गर्ग ने डॉ. ओमप्रकाश कादयान की नव प्रकाशित दो पुस्तकों का विमोचन भी किया।

समारोह में आयोजकों द्वारा डॉ. कादयान का संक्षिप्त परिचय काव्य विद्या में पढ़ा गया।

विधायक विनोद भ्याना की पूरी प्रॉपर्टी की जांच कराई जाए : आप

हिसार (राजधानी चौपाल) | आम आदमी पार्टी ने वीरवार को अपने हांसी कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर हांसी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक विनोद भ्याना एवं उनके परिजनों की कथित आय से अधिक संपत्ति, अवैध कॉलोनियों के विकास और सरकारी तंत्र के दुरुपयोग को लेकर कई गंभीर खुलासे करते हुए उनकी प्रॉपर्टी की बारीकी से जांच करने की मांग की है।प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए आम आदमी पार्टी, हांसी के जिला प्रधान राजेन्द्र सोरखी ने कहा कि सार्वजनिक रूप से उपलब्ध चुनावी शपथ-पत्रों, समाचार रिपोर्टों और हरेरा की आधिकारिक वेबसाइट पर दर्ज तथ्यों के अनुसार विधायक विनोद भ्याना व उनके परिजन हांसी, बरवाला, सिरसा, फतेहाबाद सहित अन्य क्षेत्रों में कई बड़ी रियल एस्टेट परियोजनाओं से जुड़े हुए हैं। इन परियोजनाओं में हजारों करोड़ रुपये के निवेश की आवश्यकता होती है, जबकि चुनावी शपथ-पत्रों में दर्शाई गई आय इससे मेल नहीं खाती। उन्होंने आरोप लगाया कि विधायक पद का दुरुपयोग कर कॉलोनियां विकसित की गईं और अवैध प्लॉटों को वैध बताकर आम जनता को गुमराह किया गया। आम आदमी पार्टी ने हरेरा, टाउन प्लानिंग और म्युनिसिपल विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की।

आम आदमी पार्टी ने मांग की कि विधायक विनोद भ्याना और उनके परिजनों की चल-अचल संपत्तियों, आय के स्रोतों, आयकर रिटर्न, चुनावी शपथ-पत्रों और हरेरा में पंजीकृत व गैर-पंजीकृत सभी परियोजनाओं की स्वतंत्र व निष्पक्ष जांच कराई जाए ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो सके। साथ ही यदि किसी प्रकार की अनियमिताएं या कानून का उल्लंघन सामने आता है तो कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। पार्टी ने स्पष्ट किया कि यह मुद्दा जनहित और पारदर्शिता से जुड़ा है तथा आम आदमी पार्टी हांसी की जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए यह लड़ाई आगे भी जारी रखेगी। पत्रकारों से बातचीत के अवसर पर पार्टी की राज्य युवा इकाई के उपप्रधान सचिन जैन, जिला एक्स सर्विसमैन इकाई के प्रधान अजय शास्त्री, पार्टी के हांसी हलका प्रधान रमेश पानु, जिला सोशल मीडिया इंचार्ज गगनदीप सिंह, पार्टी के एससी सैल के जिला प्रधान अजय कल्याण, पार्टी के गांव सचिव राजेन्द्र राणा के अलावा सचिन शर्मा, सुरेश ढुल, सतपाल महला, रमेश सिंह आदि नेतागण उपस्थित रहे। इस मुद्दे को लेकर आज दोपहर पूर्व आम आदमी पार्टी के हांसी जिला प्रधान राजेन्द्र सोरखी के नेतृत्व में पार्टी नेताओं ने हांसी के एसडीएम की मार्फत लोकायुक्त हरियाणा, चीफ विजीलेंस कमिश्नर हरियाणा, इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया, इंकम टैक्स व इन्फोरसमेंट डायरेक्टरेट के नाम ज्ञापन देकर पूरे मामले की गहराई तक जाकर निष्पक्ष जांच करने की मांग की है।

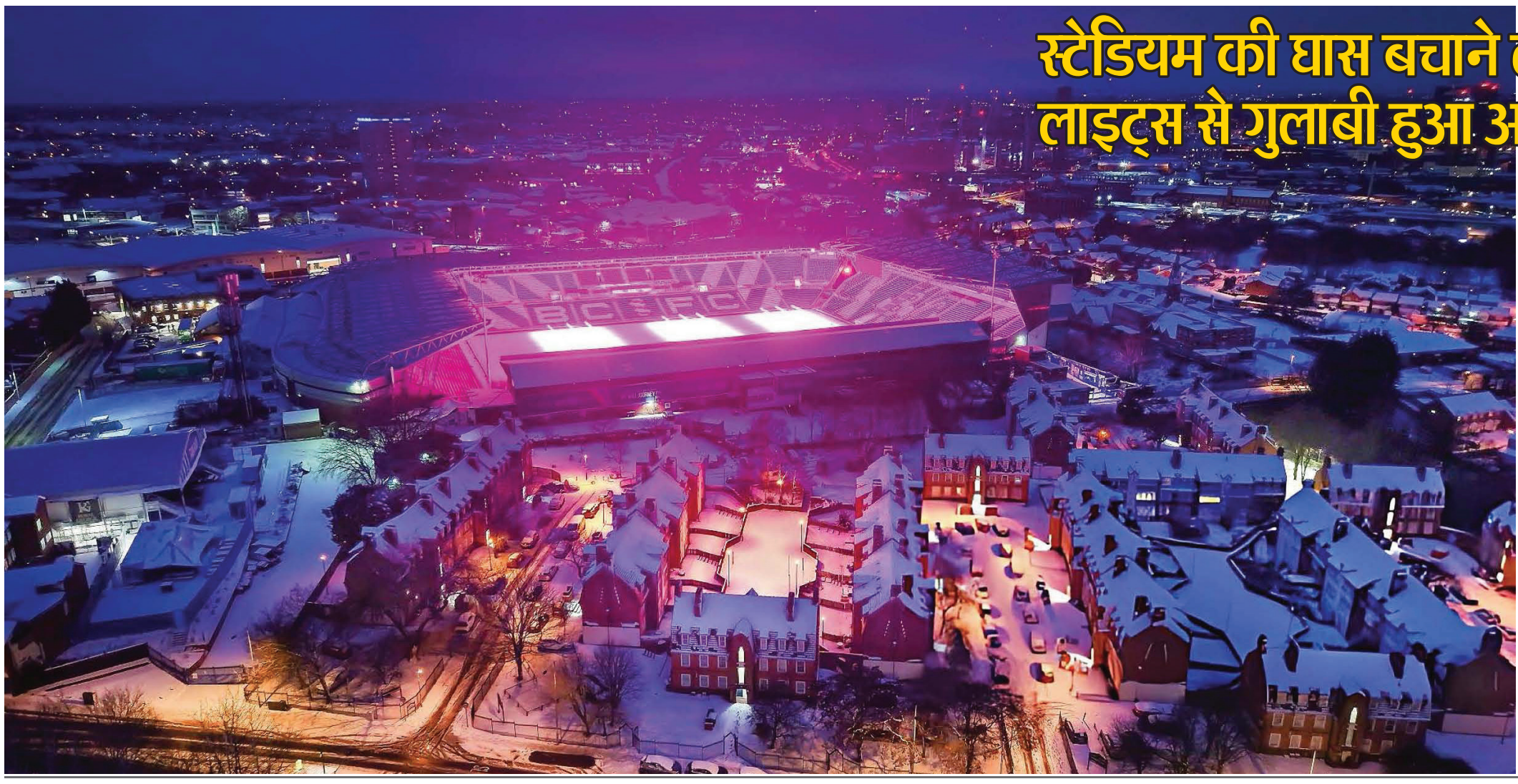

स्टेडियम की घास बचाने लगाई गई लाइट्स से गुलाबी हुआ आसमान...

बर्मिंधम| ब्रिटेन के बर्मिंघम में भारी बर्फबारी के बीच आसमान अचानक चमकदार गुलाबी हो गया। इस जादुई नजारे को देख लोग इसे दुर्लभ'नॉर्दर्न लाइट्स' समझने लगे। लेकिन इसकी असल वजह फुटबॉल स्टेडियम निकला। यह चमक बर्मिंघम सिटी फुटबॉल क्लब के स्टेडियम से आ रही थी, जहां घास को बढ़ने में मदद के लिए 'पिंक एलईडी लाइट्स' जलाई गई थीं। ये विशेष लाइट्स सूरज की रोशनी की कमी पूरी करती हैं, जिससे ठंड में भी घास को 'फोटोसिंथेसिस' के जरिए बढ़ने और स्वस्थ रहने में मदद मिलती है।

मौसम वैज्ञानिकों ने बताया कि गिरती बर्फ और नीचे बादलों ने एक 'शीशे' (रिफ्लेक्टर) का काम किया, जिससे स्टेडियम की यह रोशनी रिफ्लेक्ट होकर पूरे आसमान में बिखर गई।

रिपोर्ट : वायु प्रदूषण मौसमी समस्या नहीं, बल्कि निरंतर उत्सर्जन का परिणाम

देश के 44 फीसदी शहर लगातार गंभीर वायु प्रदूषण की चपेट में, सिर्फ 4% में ही साफ हवा

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल) | देश में वायु प्रदूषण की स्थिति को लेकर चौंकाने वाला खुलासा सामने आया है। सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) के ताजा विश्लेषण के मुताबिक भारत के महज 4 फीसदी प्रदूषित शहर ही राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनकैप) के दायरे में हैं, जबकि 44 फीसदी शहर 5 साल से लगातार पीएम 2.5 मानकों का उल्लंघन कर रहे हैं।

सीआरईए ने उपग्रह आधारित आंकड़ों के जरिए देश के 4,041 नगरों में वायु गुणवत्ता का आकलन किया। अध्ययन में पाया गया कि 1,787 शहरों में 2019 से 2024 के बीच (कोविड काल 2020 को छोड़कर) हर साल पीएम 2.5 का स्तर तय मानकों से ऊपर रहा। यह साफ संकेत है कि भारत में वायु प्रदूषण कोई मौसमी समस्या नहीं बल्कि परिवहन, उद्योग और बिजली संयंत्रों से होने वाले निरंतर उत्सर्जन का परिणाम है।

हालांकि, सरकार का प्रमुख स्वच्छ वायु कार्यक्रम एनकैप केवल 130 शहरों तक सीमित है। इनमें से भी सिर्फ 67 शहर ऐसे हैं, जो लगातार गैर-अनुपालन वाले 1,787 शहरों की सूची में आते हैं। यानी लंबे समय से प्रदूषण झेल रहे अधिकांश शहर एनकैप की पहुंच से बाहर हैं।

दिल्ली, गाजियाबाद, बर्नीहाट सर्वाधिक प्रदूषित

रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में असम का बर्नीहाट, दिल्ली और गाजियाबाद देश के सबसे प्रदूषित शहर रहे। वहीं पीएम-10 के मामले में दिल्ली सबसे ऊपर रही, जहां वार्षिक औसत स्तर राष्ट्रीय मानक से लगभग तीन गुना दर्ज किया गया। सीआरईए का कहना है कि अब तक जारी एनकैप फंड का बड़ा हिस्सा सड़क धूल प्रबंधन और बुनियादी ढांचे पर खर्च हुआ है, जबकि उद्योग, बिजली संयंत्र और घरेलू ईंधन जैसे प्रमुख प्रदूषण स्रोतों पर सीधा नियंत्रण सीमित रहा है।

न्यूज ब्रीफ

संसद का बजट सत्र 28 जनवरी से : एक फरवरी को बजट

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल) | संसद का बजट सत्र 28 जनवरी से 2 अप्रैल तक चलेगा। केंद्रीय बजट 1 फरवरी (रविवार) को पेश किया जाएगा। सत्र दो चरणों में होगा। पहला चरण 13 फरवरी को खत्म होगा। इसके बाद सत्र की कार्रवाई 9 मार्च से दोबारा शुरू होगी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 28 जनवरी को दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी। राष्ट्रपति का पारंपरिक संबोधन साल के पहले संसद सत्र के पहले दिन होता है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

29 जनवरी को बीटिंग रिट्रीट समारोह के चलते संसद स्थगित रह सकती है। वहीं, 30 जनवरी को इकॉनॉमिक सर्वे पेश किया जा सकता है। 31 जनवरी को लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित रहेगी। राष्ट्रपति के संबोधन और केंद्रीय बजट पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के बाद, संसद 13 फरवरी से लगभग एक महीने की अवकाश अवधि के लिए स्थगित होगी। संसद 9 मार्च को पुनः बैठक करेगी और सत्र 2 अप्रैल, गुरुवार को समाप्त होगा। आधिकारियों ने बताया कि आमतौर पर संसद शुक्रवार को स्थगित की जाती है, लेकिन 3 अप्रैल को गुड फ्राइडे और उसके बाद वाले वीकेंड को ध्यान में रखते हुए, सत्र 2 अप्रैल को समाप्त हो सकता है। बजट सत्र में अवकाश से संबंधित स्टैंडिंग कमेटियों को विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों की अनुदान मांगों की जांच करने का समय मिलता है।

संसद के शीतकालीन सत्र में 8 बिल पास हुए थे : संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से 19 दिसंबर तक चला था। इस दौरान लोकसभा और राज्यसभा से VB-G RAM G सहित 8 बिल पास किए गए। 2 बिल संसदीय कमेटी को भेजे गए। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने आरोप लगाया था सत्र की शुरुआत रवींद्रनाथ टैगोर के अपमान से हुई और अंत महात्मा गांधी के अपमान के साथ हुआ। पीएम मोदी की रणनीति साफ थी, जो आधुनिक भारत बनाने वाले तीन लोगों (टैगोर, महात्मा गांधी और जवाहर लाल नेहरू) का अपमान करना था।

कुरुक्षेत्र में फैमिली वीजा का झांसा देकर 21 लाख ठगे

कुरुक्षेत्र (राजधानी चौपाल) | हरियाणा के कुरुक्षेत्र में यूके भेजने के बहाने 21 लाख रुपए की ठगी कर ली। नवदीप सिंह उर्फ गरेता, लखबीर सिंह उर्फ बंटी और हेनिश कुमार उर्फ मुकेश भाई पटेल ने मिलकर धोखाधड़ी की। आरोपियों ने शिकायतकर्ता को उसकी फैमिली समेत वीजा लगवाने का झांसा दिया। जींद के रहने वाले राज सिंह ने शिकायत में बताया कि अक्टूबर 2023 के पहले हफ्ते में वह अपने साढ़ू मलकीत सिंह के पास कुरुक्षेत्र आए थे। दोनों मॉल में बैठे थे। तभी नवदीप सिंह और लखबीर सिंह वहां पहुंचे। वे मलकीत को जानते थे। बातचीत में बताया कि इन दिनों यूके का वर्क परमिट चल रहा है। अगर कोई जाना चाहे तो बताएं। फैमिली वीजा के बारे पूछा उसने अपनी पत्नी और बेटी समेत 3 लोगों के लिए यूके वर्क वीजा के बारे में पूछा। आरोपियों ने कुल 28 लाख रुपए मांगे। साथ ही यूके में रह रहे अपने साथी हेनिश कुमार से बात करवाई गई, ताकि उसे भरोसा हो जाए। उन्होंने अगले दिन उसे पासपोर्ट और दूसरे कागजात लेकर ऑफिस बुलाया। अगले दिन वह अपने साढ़ू मलकीत के साथ आरोपियों के ऑफिस गए। वहां तीनों के पासपोर्ट और कागजात दे दिए। कुछ दिनों बाद आरोपियों ने फोन करके बताया कि यूके का नारिक टेस्ट अप्लाई कर दिया है। 18 अक्टूबर 2023 को टेस्ट करवाया। उसके बाद पैसे का इंतजाम रखना, वीजा जल्द लग जाएगा।

पैसे कैसे ट्रांसफर हुए : तब उसने आरोपियों के दिए अकाउंट में 31 अक्टूबर 2023 को साढ़े 11 लाख रुपए चेक के जरिए RTGS करवाए गए। उसके बाद आरोपियों ने एक और अकाउंट दिया, जिसमें उसने 1 नवंबर को अपने साले राहुल के अकाउंट से 6 लाख रुपए RTGS से डाले। फिर साढ़े 3 लाख रुपए कैश दिए।

फरीदाबाद में धू-धूकर जली चलती कार, ड्राइवर कूदा

फरीदाबाद (राजधानी चौपाल)| फरीदाबाद में गुरुग्राम रोड पर हनुमान मंदिर के सामने देर रात एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। यहां अचानक एक फोर्ड इको स्पोर्ट कार में आग लग गई। गनीमत रही कि कार चला रहे युवक ने समय रहते बाहर निकलकर अपनी जान बचा ली। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड टीम ने आग पर काबू पाया। आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नही हुआ है ,शुरुआती तौर पर इंजन में शॉर्ट-सर्किट को वजह माना जा रहा है। अरावली विहार निवासी दिनेश ने बताया कि अचानक कार के बोनट के अंदर से चिंगारी निकलती दिखाई दी। उन्होंने तुरंत कार रोककर बोनट खोला, लेकिन तभी इंजन में आग भड़क उठी। कुछ ही पलों में आग ने पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया। आग तेजी से फैलती देख दिनेश कार से दूर हट गया।

8 साल से चला रहा ये कार : दिनेश ने बताया कि वह फरीदाबाद के अरावली विहार से दिल्ली के छतरपुर जा रहा था। उन्होंने बताया कि वह पिछले करीब 8 साल से इस कार का इस्तेमाल कर रहे थे। आग लगने से कार के अंदर रखा सामान और जरूरी कागजात जलकर राख हो गए। आग की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची और कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया गया। घटना के कारण कुछ समय के लिए सड़क पर ट्रैफिक बाधित रहा, जिसे बाद में सुचारू रूप से चालू कर दिया गया।मौके पर पहुंची पुलिस ने बताया कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

फरीदाबाद में चार महीने में 85 बांग्लादेशी डिपोर्ट : भारत-बांग्लादेश तनाव के बीच कार्रवाई तेज, अवैध बस्ती में रह रहे थे

फरीदाबाद (राजधानी चौपाल)| फरीदाबाद जिले में भारत-बांग्लादेश के बीच बढ़े तनाव का असर अब स्थानीय स्तर पर भी दिखाई देने लगा है। इसी के चलते फरीदाबाद पुलिस ने जिले में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। बता दे कि पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर कई विशेष टीमों का गठन किया गया है, जो शहरभर में सघन तलाशी अभियान चला रही हैं।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पिछले चार महीनों में 85 बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान कर उन्हें उनके देश वापस भेजा गया है। डिपोर्ट किए गए लोगों में पुरुष, महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे भी शामिल हैं। इससे पहले मई 2025 में पलवल और नूंह जिले की पुलिस ने महज नौ दिनों के भीतर 106 बांग्लादेशी नागरिकों को डिपोर्ट किया था।

फरीदाबाद में यह अभियान लगातार जारी है और आगे भी सख्ती बढ़ाए जाने की संभावना है।

हिरासत से बॉर्डर तक पूरी प्रक्रिया : पुलिस टीमों द्वारा संदिग्ध विदेशी नागरिकों को पहले हिरासत में लिया जाता है और फिर उन्हें शेल्टर होम भेजा जाता है। वहां उनकी पहचान, दस्तावेज और पारिवारिक जानकारी की जांच की जाती है। सत्यापन पूरा होने के बाद पूरी रिपोर्ट सीमा सुरक्षा बल (BSF) को भेजी जाती है।

कूड़ा प्रबंधन से जुड़े क्षेत्रों पर विशेष नजर : वहीं मंजूरी मिलने पर पुलिस उन्हें सरकारी वाहनों के माध्यम से बॉर्डर तक ले जाती है, जहां से डिपोर्टेशन की प्रक्रिया पूरी की जाती है।जांच के दौरान सामने आया है कि अधिकतर बांग्लादेशी नागरिक कूड़ा छांटने और सफाई से जुड़े कामों में लगे हुए थे।

स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी देखी गई : कुछ लोग ECO GREEN की गाड़ियों और डंपिंग यार्ड में काम करते पाए गए। खराब और अस्वच्छ हालात में रहने के कारण कई लोगों में स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी देखी गई हैं।झुग्गी बस्तियां और अवैध कॉलोनियां रडार पर सूत्रों के मुताबिक फरीदाबाद में 50 झुग्गी बस्तियां और दर्जनों अवैध कॉलोनियां मौजूद हैं।

जारी रहेगा अभियान : पुलिस इन इलाकों में स्थानीय खुफिया तंत्र और मुखबिरों की मदद से लगातार छापेमारी और जांच अभियान चला रही है, ताकि अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों की पहचान की जा सके।

पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह कहना है कि यह अभियान कानून और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है और भविष्य में भी ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी।

फरीदाबाद में महिला की इलाज के दौरान मौत : पिता बोला- पड़ोसी करता था परेशान

फरीदाबाद (राजधानी चौपाल)| फरीदाबाद जिले के थाना सेक्टर-58 क्षेत्र में एक महिला की मौत के मामले में पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज किया है। बता दे कि गांव सीकरी के रहने वाले सोमवीर सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि उसके पड़ोस में रहने वाला संदीप उसकी पत्नी जसविंदर कौर को लगातार मानसिक रूप से परेशान कर रहा था

शिकायतकर्ता के अनुसार, आरोपी संदीप गुपचुप तरीके से उसकी पत्नी से बातचीत करता था, जिससे उसकी पत्नी मानसिक दबाव में रहने लगी थी। लगातार हो रही मानसिक प्रताड़ना से परेशान होकर जसविंदर कौर ने एक दिन एसिड का सेवन कर लिया। इसके बाद उसकी हालत बिगड़ गई और उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पीड़ित ने बताया कि जसविंदर कौर का इलाज 21 नवंबर 2025 से चल रहा था। करीब डेढ़ महीने तक चले उपचार के दौरान 9 जनवरी को ईएसआईसी अस्पताल, एनआईटी-3 फरीदाबाद में उसकी मौत हो गई।

रोहतक में स्पीकर बोले- आत्मनिर्भर भारत ही बनेगा विकसित देश:गुलामी का दौर देश के लिए सबसे घातक रहा

रोहतक (राजधानी चौपाल)| रोहतक में भारत विकास परिषद की तरफ से आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे विधानसभा स्पीकर हरविंद्र कल्याण ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आज भारत देश जिस दौर से गुजर रहा है, उसको केवल इसी दृष्टि से देखना पर्याप्त नहीं है। गुलामी के एक लंबे दौर के बाद देश को आजादी मिली है।

विधानसभा स्पीकर हरविंद्र कल्याण ने कहा कि गुलामी का दौर हर दृष्टि से देश के लिए घातक रहा है। लेकिन गंभीर विषय यह है कि आर्थिक नुकसान के साथ भारत को उससे भी बड़ा नुकसान हुआ। भारत की संस्कृति को बिगाड़ने का कार्य उस समय किया गया था। जब देश आजाद हुआ तो भारत एक नए सफर पर आगे बढ़ा। हरविंद्र कल्याण ने कहा कि हरियाणा राज्य मजबूत केंद्रीय नेतृत्व के साथ आगे बढ़ रहा है। बहुत सारी व्यवस्थाओं को सुधरते हुए देखा है। बदलाव का दौर पीएम के सपने के साथ मेल खाता है। जो 2047 में भारत को विकसित देश बनाने के लिए तपस्या कर रहे है। स्वामी विवेकानंद हम सबके प्रेरणा स्त्रोत है। विधानसभा स्पीकर हरविंद्र कल्याण ने कहा कि मजबूत राष्ट्र के लिए हर व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनना होगा। आत्मनिर्भर भारत ही विकसित भारत का मार्ग है। सरकार अपनी तरह से काम करती है लेकिन संगठन अपने तरीके से काम करता है। आज हरियाणा में मेरिट के आधार पर नौकरी मिल रही है जो महापुरुषों के सोच के अनुरूप कार्य है।

भिवानी में कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता का एचपीएससी चेयरमैन पर हमला : गागड़वास बोले- हरियाणा में बिहार का चेयरमैन क्यों

भिवानी (राजधानी चौपाल)| हरियाणा कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व जिला पार्षद नरेंद्र राज गागड़वास ने हरियाणा लोक सेवा आयोग (HPSC) के चेयरमैन पर जुबानी हमला बोला है। वीडियो जारी कर उन्होंने कहा कि हरियाणा में बहुत कम लोगों को पता है कि एचपीएससी के चेयरमैन हरियाणा के ना होकर बिहार के है।

कहा कि, केवल अकेला हरियाणा ऐसा राज्य ऐसा है, जहां एचपीएससी का चेयरमैन बाहर का है। जो दुर्भाग्य की बात है। क्या हरियाणा में ऐसा कोई पढ़ा लिखा नहीं है क्या, जो इस पद पर बैठ सके।

वीडियो में कांग्रेस नेता ने कहा कि, हरियाणा में शिक्षा की कमी है क्या, जहां हमें बाहर से लाकर एचपीएससी के चेयरमैन की नियुक्ति करनी पड़ी है। जब से ये चेयरमैन आए हैं, इनके कार्यकाल में जितनी भी

नौकरियां लगी है, वे चाहे ग्रुप-ए की हों या ग्रुप-बी की, सभी में 60 से 80 प्रतिशत युवा बाहर के हैं।

जिन नौकरियों पर हरियाणा के युवाओं का हक था, जो बाहर के युवाओं को दिया जा रहा है। बड़े शर्म की बात है कि हरियाणा में बेरोजगारी चर्म पर है, लेकिन सरकार व मुख्यमंत्री बाहर का चेयरमैन बैठाकर नौकरियां बाहर के लोगों को दी जा रही हैं।

नरेंद्र राज गागड़वास ने कहा कि पिछले दिनों असिस्टेंट इंग्लिश प्रोफेसर भर्ती का रिजल्ट आया तो 613 पोस्ट थी। जिसमें से 151 युवाओं को भर्ती किया, जिसमें से केवल 8 प्रतिशत युवा हरियाणा के थे और अन्य बाहर के। ऊपर से एचपीएससी के चेयरमैन का बयान आता है कि हरियाणा के यूनिवर्सिटी में पढ़ाई नहीं है।

उन्होंने कहा कि एचपीएससी के चेयरमैन हरियाणा के युवाओं पर टिप्पणी करना छोड़ दें। साथ ही सीएम से मांग की कि बाहर के चेयरमैन को हटाकर उनकी जगह हरियाणा का चेयरमैन लगाया जाए, ताकि हरियाणा प्रदेश के युवाओं के साथ न्याय हो सके। साथ ही जो हरियाणा की नौकरी बाहर जा रही है, वे हरियाणा के युवाओं को मिल सके।

संपादकीय...

वर्दी का सम्मान... पुलिस के साहस और सेवा को सलाम

समाज की सुरक्षा और शांति किसी भी विकसित राज्य की पहचान होती है, और इस पहचान को अपनी दृढ़ निष्ठा, वीरता और अनुशासन से साकार करती है—हमारी पुलिस व्यवस्था। दिन हो या रात, त्योहार हों या संकट की घड़ी, सड़क दुर्घटना हो या कानून व्यवस्था की चुनौती—पुलिस कर्मी सबसे आगे खड़े दिखाई देते हैं। यही कारण है कि आज राजधानी चौपाल पुलिस प्रशासन को हार्दिक नमन करता है।

पुलिस का कार्य केवल अपराधियों को पकड़ना भर नहीं है, बल्कि समाज में सुरक्षा की भावना जगाना भी है। वे हमारे बच्चों की मुस्कुराहट, बहनों की सुरक्षा और बुजुर्गों की शांति के मौन संरक्षक हैं। गर्मी की तपन, सर्दी की ठिठुरन और बारिश की मार—इन सबके बीच भी उनका कर्तव्य नहीं बदलता। कठिन परिस्थितियों में भी अपनी जान जोखिम में डालकर जनता की रक्षा करना हर किसी के बस की बात नहीं, यह साहस केवल वर्दी पहनने वाले उन जाबांज़ों में होता है, जिनके कंधों पर देश और समाज की सुरक्षा टिकी होती है।

आज जब समाज निरंतर बदल रहा है, चुनौतियाँ भी बढ़ रही हैं, ऐसे समय में पुलिस प्रशासन केवल कानून लागू करने वाला विभाग नहीं बल्कि आम जनता का भरोसेमंद साथी बनकर उभर रहा है। महिला सुरक्षा, साइबर क्राइम, ट्रैफिक व्यवस्था, गांव–कस्बों में शांति—हर मोर्चे पर पुलिस का योगदान सराहनीय है।

राजधानी चौपाल की ओर से हम यह स्पष्ट संदेश देना चाहते हैं कि—

"वर्दी का सम्मान करना केवल पुलिस का नहीं, बल्कि समाज के हर नागरिक का कर्तव्य है।"

हम उन सभी पुलिसकर्मियों के प्रति कृतज्ञ हैं, जो अपनी व्यक्तिगत खुशियों, परिवार और आराम को पीछे छोड़कर जनता की सेवा में सदैव तत्पर रहते हैं।

आज जरूरत है कि हम न केवल उनके कार्य की सराहना करें, बल्कि पुलिस–जन सहयोग को मजबूत बनाकर समाज को और सुरक्षित बनाएं।

अंत में, मैं—राहुल हिंदुस्तानी, संपादक, राजधानी चौपाल—

प्रदेश के सभी पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों और रैंकों को सादर प्रणाम करते हुए यह आह्वान करता हूँ कि हम सब मिलकर एक सुरक्षित, शांतिपूर्ण और संवेदनशील समाज का निर्माण करें।

"आप सुरक्षित हैं... क्योंकि कोई जाग रहा है।"

जय हिन्द।

राहुल हिंदुस्तानी
संपादक
राजधानी चौपाल

बेबी फॉर्मूला में टॉक्सिन्स : कहीं ये आपके शिशु को बीमार न कर दे, खरीदने से पहले ध्यान रखें ये बातें

बेबी अभी सिर्फ 15 दिन का है। बार-बार रो रहा है, रात में ठीक से सो नहीं पा रहा। सबको लगता है कि शायद मां के दूध से उसका पेट नहीं भर रहा। ऐसे में तुरंत सुझाव आता है कि फॉर्मूला मिल्क पिला देते हैं। बच्चा शांत हो जाएगा, अच्छी नींद आएगी। आज शिशु को फॉर्मूला मिल्क पिलाना काफी कॉमन हो गया है।

लेकिन क्या ये फॉर्मूला आपके शिशु के लिए सुरक्षित है? हाल ही में ग्लोबल फूड कंपनी नेस्ले ने कुछ इन्फेंट फॉर्मूला प्रोडक्ट्स को ग्लोबल मार्केट से वापस लिया है, क्योंकि उसमें एक दुर्लभ टॉक्सिन सेरुलाइड होने की आशंका जताई गई।

इसीलिए आज जरूरत की खबर में जानेंगे कि

- फॉर्मूला मिल्क शिशु के लिए कितना सुरक्षित है?
- फॉर्मूला मिल्क खरीदते समय लेबल पर क्या देखना चाहिए?
- फॉर्मूला मिल्क देने से पहले पेरेंट्स को किन बातों का ख्याल रखना चाहिए।

Q. बेबी फॉर्मूला मिल्क क्या है?

A. बेबी फॉर्मूला मिल्क या इंफेंट फॉर्मूला मिल्क 12 महीने से कम उम्र के बच्चों के लिए फैक्ट्री में तैयार किया गया फूड प्रोडक्ट होता है। इसे मां के दूध के विकल्प के रूप में या उसके साथ सप्लीमेंट की तरह दिया जाता है। यह पाउडर या लिक्विड रूप में उपलब्ध होता है। इसमें बच्चे की सही बढ़त के लिए जरूरी प्रोटीन, फैट और कार्बोहाइड्रेट होते हैं। साथ ही इसमें विटामिन और मिनरल्स भी मिलाए जाते हैं। ये पोषक तत्व बच्चे के शारीरिक और मानसिक विकास में मदद करते हैं। फॉर्मूला मिल्क पाउडर, कंसन्ट्रेट या रेडी-टू-यूज लिक्विड फॉर्म में मिलता है।

Q. शिशु को फॉर्मूला मिल्क कब और क्यों देते हैं?

A. फॉर्मूला मिल्क खासतौर पर तब दिया जाता है, जब मां का दूध उपलब्ध न हो। कई बार मां का दूध पर्याप्त नहीं होता। कुछ मेडिकल कंडीशंस में बच्चे को ब्रेस्ट मिल्क नहीं दिया जा सकता। प्रीमेच्योर या कम वजन के शिशुओं को अतिरिक्त न्यूट्रिशन की जरूरत होती है। ऐसे में डॉक्टर फॉर्मूला मिल्क की सलाह देते हैं। कामकाजी मांओं के लिए हर समय स्तनपान कराना संभव नहीं होता। ऐसी स्थिति में बच्चे के न्यूट्रिशन के लिए फॉर्मूला मिल्क एक विकल्प बनता है।

Q. क्या फॉर्मूला मिल्क शिशु के लिए सेफ है?

a. हां, फॉर्मूला मिल्क बच्चों के लिए सेफ माना जाता है, अगर इसे सही तरीके से और डॉक्टर की सलाह के अनुसार दिया जाए। फॉर्मूला तय मानकों के तहत बनाया जाता है और इसमें शिशु की उम्र के हिसाब से जरूरी पोषक तत्व होते हैं। लेकिन इसे तैयार करते समय साफ-सफाई बहुत जरूरी होती है।

Q. हाल ही में फॉर्मूला मिल्क में कौन से टॉक्सिन्स मिले हैं और वह बच्चे की सेहत के लिए कैसे खतरनाक हैं?

A. हाल ही में कुछ बेबी फॉर्मूला मिल्क में सेरुलाइड नाम का टॉक्सिन मिलने की आशंका सामने आई है। यह टॉक्सिन बैसिलस सेरेस नाम के बैक्टीरिया की कुछ किस्मों से बनता है। सेरुलाइड एक फूड पॉइजनिंग टॉक्सिन है, जो बच्चों के लिए खतरनाक हो सकता है। इससे उल्टी, दस्त, पेट दर्द जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। छोटे शिशुओं में यह डिहाइड्रेशन और कमजोरी का कारण भी बन सकता है। इसलिए ऐसे मामलों में फॉर्मूला मिल्क को तुरंत रिकॉल किया जाता है और इस्तेमाल से रोका जाता है।

Q. बेबी फॉर्मूला सुरक्षित है या नहीं, ये कैसे पता करेंगे?

A. बेबी फॉर्मूला सुरक्षित है या नहीं, यह जानने के लिए सबसे पहले पैकिंग को ध्यान से देखना जरूरी है। हमेशा एक्सपायरी डेट, बैच नंबर और सील ठीक से बंद होने की जांच करें। अगर डिब्बा फूला हुआ हो, सील टूटी हो या पाउडर की गंध अजीब लगे, तो उसे बिल्कुल इस्तेमाल न करें। साथ ही, कंपनी या हेल्थ अथॉरिटी की ओर से जारी किसी रिकॉल या चेतावनी की जानकारी भी जरूर देखें। अगर फॉर्मूला देने के बाद बच्चे को उल्टी, दस्त, पेट दर्द या असामान्य सुस्ती दिखे, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

Q. बेबी फॉर्मूला के लेबल पर लिखे किन शब्दों पर गौर करना चाहिए?

A. बेबी फॉर्मूला खरीदते समय लेबल में इंग्रीडिएंट लिस्ट जरूर चेक करें। इसमें ध्यान दें कि कार्बोहाइड्रेट के लिए लैक्टोज, प्रोटीन के लिए व्हे या केसिन, और दिमाग व आंखों के विकास के लिए DHA/ARA लिखा हो। एक्स्ट्रा शुगर, कॉर्न सिरप सॉलिड्स या पाम ऑयल से बचना बेहतर होता है। इसके साथ ही न्यूट्रिशन पैनल, एक्सपायरी डेट, बनाने के निर्देश और सबसे जरूरी FSSAI लाइसेंस नंबर जरूर जांचें क्योंकि भारत में बिना FSSAI लाइसेंस वाला कोई भी बेबी फूड बच्चों के लिए सुरक्षित नहीं माना जाता है।

Q. शिशु के लिए फॉर्मूला का सुरक्षित विकल्प क्या है?

A. शिशु के लिए सबसे सुरक्षित और प्राकृतिक विकल्प मां का दूध है। इसमें पूरा पोषण और बीमारियों से बचाने वाले तत्व होते हैं। WHO भी शुरुआती छह महीनों तक सिर्फ स्तनपान की सलाह देता है। अगर किसी कारण स्तनपान संभव न हो या पर्याप्त न हो, तो डॉक्टर की सलाह से फॉर्मूला मिल्क दिया जा सकता है, क्योंकि ऐसी स्थिति में यह बच्चे के लिए जरूरी पोषण का अहम स्रोत बनता है।

एक्सपर्ट: डॉ. संजय कुमार जैन, HOD, पीडियाट्रिक्स एंड नियोनेटोलॉजी, मैक्योर हॉस्पिटल, दिल्ली

Q. फॉर्मूला मिल्क देने से पहले पेरेंट्स को किन बातों का ख्याल रखना चाहिए?

A. **फॉर्मूला मिल्क देने से पहले पेरेंट्स को इन बातों का खास ख्याल रखना चाहिए। इन्हें डीटेल में समझते हैं :**

- **हाथ साबुन से धोएं :** फॉर्मूला तैयार करने से पहले हाथ हमेशा अच्छी तरह धोएं। गंदे हाथों से फॉर्मूला बनाना बच्चे के लिए संक्रमण का कारण बन सकता है। इसलिए साबुन और गर्म पानी से हाथ कम–से–कम 20 सेकंड तक अच्छे से साफ करें।
- **फीडिंग बोतल उबालें :** बोतल, निप्पल और अन्य फीडिंग इक्विपमेंट को गर्म और साफ पानी से अच्छी तरह धोएं। बोतल उबालने से ई.कोलाई, साल्मोनेला जैसे जर्म्स नष्ट हो जाते हैं। ये जर्म्स दस्त और इंफेक्शन का कारण बन सकते हैं।
- **फॉर्मूला उबले पानी से बनाएं :** फॉर्मूला दूध बनाने में उबला और ठंडा किया हुआ पानी इस्तेमाल करें। उबला पानी फॉर्मूला पाउडर को सुरक्षित रूप से घोलने में मदद करता है। साथ ही, माइक्रोबियल कंटैमिनेशन का खतरा घटाता है।
- **फॉर्मूला माइक्रोवेव में गर्म न करें :** फॉर्मूला को कभी माइक्रोवेव में गर्म न करें। माइक्रोवेव में फॉर्मूला अनियमित रूप से गर्म होता है और हॉटस्पॉट से बच्चे के मुंह में जलन हो सकती है। बोतल को कुछ मिनट गर्म पानी के बाउल में रखकर कमरे के तापमान तक लाएं।
- **जूठा फॉर्मूला फ्रिज में न रखें :** बच्चा जब बोतल से फॉर्मूला पीता है, तो उसके मुंह के बैक्टीरिया दूध में पहुंच जाते हैं। फ्रिज में रखने पर भी ये बैक्टीरिया पूरी तरह खत्म नहीं होते, बल्कि धीरे-धीरे बढ़ सकते हैं। दोबारा पिलाने पर यही बैक्टीरिया शिशु के पेट में इंफेक्शन, उल्टी या दस्त का कारण बन सकते हैं।
- **पीने के बाद बच जाए तो फेंक दें :** फॉर्मूला दूध बैक्टीरिया के लिए अच्छा माध्यम होता है, खासकर जब वह कमरे के तापमान पर या पीने के बाद बचा हो। समय के साथ इसमें हानिकारक बैक्टीरिया तेजी से पनप सकते हैं। शिशु का इम्यून सिस्टम कमजोर होने के कारण यह उसके लिए गंभीर जोखिम बन सकता है।
- **फ्रेश फॉर्मूला फ्रिज में रख सकते हैं :** जो फॉर्मूला बिल्कुल नया बना हो और जिसे बच्चे ने अभी पिया न हो, उसे साफ और ढंके हुए कंटेनर में फ्रिज में रखा जा सकता है। ठंडा तापमान बैक्टीरिया की बढ़त को धीमा कर देता है, जिससे दूध कुछ समय तक सुरक्षित रहता है। आमतौर पर इसे 24 घंटे के भीतर इस्तेमाल करने की सलाह दी जाती है।
- **पैकेट पर लिखे निर्देश ध्यान से पढ़ें :** पैकेट पर दिए निर्देश के अनुसार पानी और पाउडर का सही अनुपात मिलाएं। ज्यादा पानी डालने से पोषण कमजोर होता है और ज्यादा पाउडर देने से डिहाइड्रेशन या पेट की परेशानी हो सकती है। इसलिए निर्देशों का सख्ती से पालन करना बहुत जरूरी है।

जलभराव की मार : हरियाणा के किसान कब तक सहेंगे यह पीड़ा?

हरियाणा का किसान हमेशा से मेहनत, संघर्ष और उम्मीद का प्रतीक रहा है। लेकिन इस बार मौसम की मार और प्रशासनिक लापरवाही के दोहरे प्रहार ने किसान की कमर तोड़ कर रख दी है। प्रदेश के कई जिलों में हुई तेज़ बारिश और निकासी व्यवस्था की कमी के चलते खेतों में पानी भर गया। जहाँ सुनहरी फसलें लहरानी थीं, वहाँ आज जलभराव की वजह से फसलें सड़ रही हैं, खेत दलदल बने पड़े हैं, और किसान अपनी मेहनत को अपनी आँखों के सामने डूबता हुआ देखकर असहाय है।

यह सिर्फ प्राकृतिक आपदा नहीं, बल्कि सिस्टम की कमजोरी भी है। हर बार बारिश आती है, हर बार नालियां चोक होती हैं, हर बार पानी खेतों में घुसता है, और हर बार किसान — वही पुरानी कहानी, वही पुराना दर्द। सवाल यह है कि आखिर कब तक?

सरकार सर्वे की बातें करती है, मुआवज़े के दावे करती है, लेकिन जमीन पर राहत पहुँचने में हफ्ते नहीं, महीनों लग जाते हैं। किसान के लिए सबसे बड़ा सवाल यह नहीं कि कितना मुआवज़ा मिलेगा — बल्कि यह है कि उसकी अगली बुवाई कैसे होगी, खेत फिर से कब तैयार होंगे, और उसकी आर्थिक स्थिति कैसे सुधरेगी? आज हरियाणा को सिर्फ तात्कालिक राहत नहीं, बल्कि एक दीर्घकालिक नीति की ज़रूरत है —

- सुव्यवस्थित जल निकासी प्रणाली,
- खेतों में ड्रेनेज चैनल,
- बरसाती नालों की समय पर सफाई,
- और कृषि बीमा का सही और तेज़ लाभ।

इन कदमों के बिना हर बार यही दुखांत कहानी दोहराई जाएगी।

राजधानी चौपाल की ओर से हम सरकार से मांग करते हैं कि वह केवल सर्वे में शक्ति न दिखाए, बल्कि राहत वितरण में संवेदनशीलता और तत्परता दिखाए। किसान किसी भी अर्थव्यवस्था की रीढ़ होता है — और रीढ़ अगर टूट जाएगी, तो विकास का खंभा भी खुद-ब-खुद गिर जाएगा।

किसान की पीड़ा को समझना सिर्फ सरकार का नहीं, समाज का भी कर्तव्य है। आज ज़रूरत है कि हम सब किसान के साथ खड़े हों—उसके दर्द को महसूस करें, उसकी लड़ाई को अपनी लड़ाई समझें।

किसान सिर्फ फसल नहीं उगाता, वह इस देश की उम्मीदें उगाता है और इन उम्मीदों को जलभराव में डूबने नहीं दिया जा सकता।

-राहुल हिंदुस्तानी
संपादक, राजधानी चौपाल

बेटी है तो कल है... बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ की नई पुकार

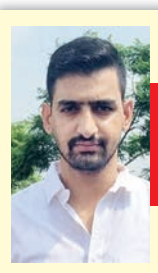

राहुल हिंदुस्तानी
संपादक
राजधानी चौपाल

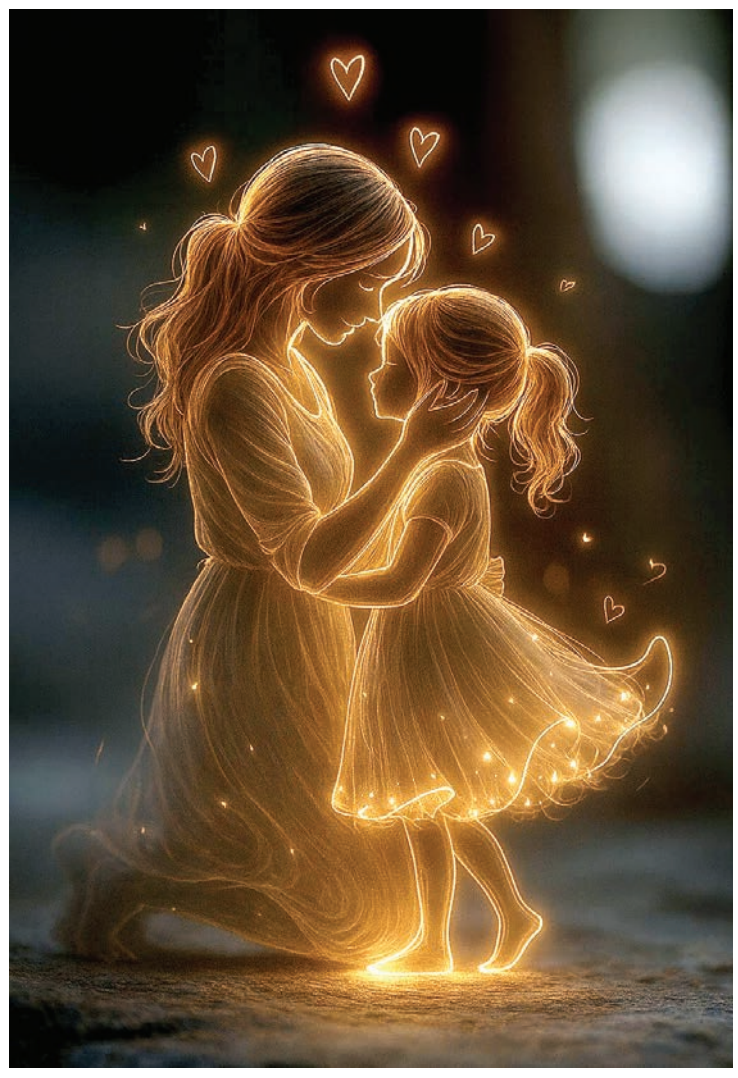

समाज की प्रगति का असली पैमाना यह नहीं कि हमारे शहर कितने विकसित हो गए हैं, बल्कि यह कि हमारी बेटियाँ कितनी सुरक्षित, शिक्षित और सम्मानित हैं। हरियाणा सहित पूरे देश में बेटियों के प्रति सोच को बदलने की ज़रूरत लंबे समय से महसूस की जाती रही है। इसी सोच को नई दिशा देने का प्रयास है—"बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" अभियान।

आज भी कई जगहों पर बेटियाँ भेदभाव, सीमित अवसर और सामाजिक दबावों का सामना करती हैं। लेकिन बदलाव वहीं से शुरू होता है, जहाँ जागरूकता की लौ जलती है। इसी जागरूकता को बढ़ाने में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

राजधानी चौपाल के संपादक राहुल हिंदुस्तानी का मानना है कि "बेटियों की शिक्षा सिर्फ एक परिवार की नहीं, बल्कि पूरे समाज की प्रगति का मार्ग है। जब बेटियाँ आगे बढ़ती हैं तो देश आगे बढ़ता है।"

शिक्षा—बेटी के सपनों की उड़ान

जब किसी बेटी के हाथ में किताब आती है, तो उसके सपनों को नई दिशा मिलती है।

वह सिर्फ पढ़ती नहीं, बल्कि अपने भीतर के आत्मविश्वास, अपनी पहचान और अपने भविष्य को गढ़ती है।

आज देश की बेटियाँ डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक, पायलट, एथलीट और प्रशासनिक अधिकारी बनकर नए आयाम स्थापित कर रही हैं। वे सिद्ध कर चुकी हैं कि अवसर मिलने पर वे किसी भी क्षेत्र में चमक सकती हैं।

सुरक्षा और सम्मान—समाज की जिम्मेदारी

कानून अपना काम करते हैं, लेकिन समाज की सुरक्षा उसकी सोच से बनती है।

हर बेटी का यह मूल अधिकार है कि वह बिना डर के पढ़ सके, घूम सके, काम कर सके और अपने सपनों को पूरा कर सके।

परिवार की सोच में बदलाव अनिवार्य

अक्सर भेदभाव की शुरुआत घर से होती है—

- बेटियों की पढ़ाई पर कम ध्यान
- करियर के सपनों को सीमित करना
- कम उम्र में शादी का दबाव

ये सब मिलकर बेटियों के भविष्य पर भारी पड़ते हैं।

हमें समझना होगा कि बेटी की सफलता परिवार का गर्व और समाज की शक्ति है।

राजधानी चौपाल और राहुल हिंदुस्तानी की अपील

राजधानी चौपाल अखबार और इसके संपादक राहुल हिंदुस्तानी सभी पाठकों से यह अपील करते हैं कि—

- बेटियों को समान अवसर दें
- उनकी शिक्षा को प्राथमिकता बना कर रखें
- भेदभाव और कुरीतियों के खिलाफ आवाज़ उठाएँ
- बेटियों को सपने देखने और पूरा करने की पूरी आज़ादी दें

बेटी सिर्फ घर की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि देश की आशा है।

बेटी सिर्फ परिवार की पहचान नहीं, समाज की शक्ति है।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ—यह नारा नहीं, हमारा कर्तव्य है, आने वाली पीढ़ियों से किया गया वादा है।

पेड़ बचे तो कल बचेगा: बिश्नोई समाज की कुर्बानियों से सीखें प्रकृति रक्षा का धर्म

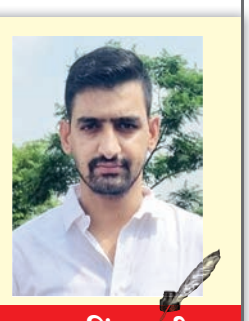

राहुल हिंदुस्तानी
संपादक
राजधानी चौपाल

दुनिया बदल रही है... मौसम बदल रहा है... और हमारा भविष्य भी एक खतरनाक मोड़ पर खड़ा है। जिस हवा में हम साँस लेते हैं, जिन खेतों से हमारा अन्न निकलता है, जिन पेड़ों की छाँव में हमारी पीढ़ियाँ पनपती हैं—वही पेड़ आज सबसे बड़े संकट में हैं।

क्या हम इंतज़ार करेंगे कि कई साल बाद हमारे बच्चे हमसे पूछें—

"पापा, क्या आपके समय में पेड़ हुआ करते थे?"

बिश्नोई समाज—धरती के असली प्रहरी

जब भी प्रकृति रक्षा की बात आती है, दुनिया एक नाम को झुककर सलाम करती है—बिश्नोई समाज।

300 साल पहले खेजड़ली गाँव में अमृता देवी बिश्नोई और 363 बिश्नोई पुरुष–महिलाओं ने पेड़ों को बचाने के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए।

उनका संदेश आज भी हवा में गूँजता है—

"सर संटे रूख रहे, तो भी सस्तो जान।"

यानी पेड़ बच जाएँ, तो सिर कट भी जाए तो कोई दुख नहीं।

यह सिर्फ़ इतिहास नहीं—यह इंसानियत की सबसे पवित्र कहानी है।

अगर एक समाज सदियों से हर पेड़ को अपने बच्चे की तरह बचा सकता है, तो हम क्यों नहीं?

हर पेड़ एक जीवन... और हर कटता पेड़, एक खतरा

- पेड़ बारिश को बुलाते हैं
- मिट्टी को जीवन देते हैं
- खेतों को बचाते हैं
- हवा को शुद्ध रखते हैं
- और हमारी अगली पीढ़ियों को साँसें देते हैं

आज पेड़ों पर बढ़ते हमले हमें चेतावनी दे रहे हैं—

अगर हम जंगलों को नहीं बचाएँगे, तो शहर भी नहीं बचेंगे।

राजधानी चौपाल का संदेश

संपादक राहुल हिंदुस्तानी कहते हैं—

"पेड़ सिर्फ़ हरियाली नहीं, यह आने वाली पीढ़ियों के लिए हमारी जिम्मेदारी हैं। आज पेड़ बचाएँगे, तभी कल हमारे बच्चे सुरक्षित रहेंगे।"

क्या कर सकते हैं आप?

- अपने गाँव–शहर में पेड़ कटते देखें तो आवाज़ उठाएँ
- कम से कम साल में 5 पेड़ बचाने का संकल्प लें
- पौधारोपण सिर्फ़ फोटो तक न रहे—पूरे साल उसकी देखभाल करें
- बच्चों और युवाओं को 'प्रकृति रक्षक' बनने की प्रेरणा दें
- प्रशासन को पेड़ कटान की सूचना तुरंत दें

एक संकल्प... एक बदलाव

बिश्नोई समाज की कुर्बानियाँ हमें याद दिलाती हैं कि

पेड़ बचाना कोई विकल्प नहीं, यह हमारा फर्ज़ है।

आइए मिलकर एक हराभरा, सुरक्षित और सांसों से भरा भविष्य बनाएँ।

क्योंकि पेड़ बचेगा... तभी धरती बचेगी।

सेकेंड जनरेशन किआ सेल्टोस भारत में लॉन्च, शुरुआती कीमत 10.99

मिड साइस SUV में 21 ऑटोनोमस ड्राइविंग सेफ्टी फीचर्स, टाटा सिएरा को टक्कर देगी

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल) | किआ मोटर्स इंडिया ने सेकेंड जनरेशन किआ सेल्टोस भारत में लॉन्च कर दी है। नई सेल्टोस की एक्स-शोरूम शुरुआती कीमत 10.99 लाख रुपए रखी गई है, जो टॉप वैरिएंट के लिए 19.99 लाख रुपए तक जाती है। नई 2026 किआ सेल्टोस की बुकिंग शुरू हो चुकी है। आप इसे ऑनलाइन या ऑफलाइन 25,000 रुपए से बुक कर सकते हैं। इसका मुकाबला टाटा सिएरा, हुंडई क्रेटा, मारुति ग्रैंड विटारा, फॉक्सवैगन टाइगुन और स्कोडा कुशाक से है।

कार में न सिर्फ अंदर और बाहर के डिजाइन में बदलाव किए गए हैं, बल्कि कॉम्पैक्ट SUV सेगमेंट में इसे कॉम्पिटिटिव बनाने के लिए अपग्रेड भी किया गया है। नई सेल्टोस में सेफ्टी के लिए 21 ऑटोनॉमस लेवल-2 एडवांस ड्राइविंग असिस्ट सिस्टम (ADAS) फीचर्स दिए गए हैं। इसमें स्मार्ट क्रूज कंट्रोल, फ्रंट कॉलिजन अवॉइडेंस असिस्ट, लेन कीपिंग असिस्ट, पार्किंग कॉलिजन अवॉइडेंस असिस्ट रिवर्स और क्लस्टर में ब्लाइंड व्यू मॉनिटर जैसे फीचर्स शामिल है।

सेफ्टी: 6 एयरबैग स्टैंडर्ड और लेवल-2 ADAS फीचर्स : सेफ्टी के लिए कार में 6 एयरबैग स्टैंडर्ड, फ्रंट, साइड और रियर पार्किंग सेंसर, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल (ESC), हिल स्टार्ट असिस्ट, ISOFIX चाइल्ड सीट एंकरेज, 360-डिग्री कैमरा सिस्टम और लेवल-2 एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (ADAS) दिए गए हैं।

परफॉर्मेंस: तीन इंजन और पांच ट्रांसमिशन ऑप्शन

2026 किआ सेल्टोस में मैकेनिकली कोई भी बदलाव नहीं किया गया है। इसमें 3 इंजन और पांच ट्रांसमिशन ऑप्शन मिलते हैं। इसमें एक नया 1.5 लीटर का 4 सिलेंडर टर्बो GDI पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो 160 PS की पावर और 253 NM का टॉर्क जनरेट करता है। ट्रांसमिशन की बात करें तो इस इंजन के साथ 6 स्पीड iMT और 7 स्पीड DCT का ऑप्शन मिलता है।

इंटीरियर: 64-कलर एम्बिएंट लाइटिंग

2026 किआ सेल्टोस में कई नए फीचर दिए गए हैं, जिसमें इंफोटेनमेंट सिस्टम और डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले के लिए डुअल 12.3-इंच डिस्प्ले शामिल है। इसमें 5-इंच स्क्रीन भी दी गई है, जो इन दोनों स्क्रीन के बीच में है।

इसके अलावा इसमें मेमोरी सेटिंग्स के साथ 10-वे पावर-एडजस्टेबल ड्राइवर सीट, फ्रंट और रियर डैशकैम, डुअल-ज़ोन ऑटो एसी, 8-स्पीकर बोस साउंड सिस्टम, फ्रंट सीट वेंटिलेशन, 64-कलर एम्बिएंट लाइटिंग, पैनोरमिक सनरूफ, वायरलेस फोन चार्जर और कनेक्टेड कार टेक्नोलॉजी जैसे फीचर भी दिए गए हैं।

एक्सटीरियर: नए लुक के साथ पहले से ज्यादा स्पेस मिलेगा

न्यू जनरेशन किआ सेल्टोस में कंपनी की नई डिजाइन थीम अपनाई गई है, जिससे यह मौजूदा मॉडल से अलग नजर आती है। इसका लुक पहले से कहीं ज्यादा बोल्ड, शार्प और प्रीमियम हो गया है। कार ब्रांड के K3 प्लेटफॉर्म पर बेस्ड है। कार का साइज बढ़ाया गया है।

- ये अब पहले से 95mm लंबी और 30mm चौड़ी हो गई है। इसका व्हील बेस 80mm बढ़ाया गया है। हालांकि हाइट 10mm घटाई गई है। वहीं, बूट स्पेस में 14 लीटर की बढ़ोतरी हुई है, जिससे ये 4.4 मीटर लंबाई के साथ अब सेगमेंट में सबसे बड़ी कार में से एक हो गई है।
- **फ्रंट प्रोफाइल**: कार के फ्रंट में डिजिटल टाइगर ग्रिल दी गई है, जिसके दोनों ओर आइस क्यूब LED प्रोजेक्शन हेडलैंप लगे हैं। कॉर्नर पर नए डिजाइन स्टार मैप डे-टाइम रनिंग लैंप्स हैं। नीचे की ओर स्किड प्लेट है, जो वैरिएंट के हिसाब से सैटिन सिल्वर या डार्क गनमेटल फिनिश में आती है। नीचे कॉर्नर पर LED फॉग लैंप मिलते हैं।
- **साइड प्रोफाइल** : यहां कार में फ्लश डोर हैंडल्स, रूफ रेल्स, बॉडी क्लेडिंग जैसे एलिमेंट्स मिलते हैं। टॉप वैरिएंट में ग्लॉस ब्लैक बंपर, रेड या ग्रीन कलर के नीओन ब्रेक कैलिपर्स, स्पोर्टी ब्लैक रूफ लाइनिंग और 18 इंच के क्रिस्टल-कट अलॉय व्हील्स मिलेंगे। एक्स-लाइन वैरिएंट में ब्लैक पेंटेड अलॉय व्हील्स दिए गए हैं।
- **रियर प्रोफाइल** : यहां टेलगेट एकदम साफ-सुथरा हो गया है, क्योंकि नंबर प्लेट नीचे बंपर पर चली गई है। L शेप्ड कनेक्टेड LED टेललैंप और रियर स्पॉइलर कार को स्पोर्टी लुक देते हैं। यहां रियर डेशकैम, शार्क-फिन एंटिना और हिडन रियर वाइपर भी मिलते हैं।

महिंद्रा की नई XUV 7XO लॉन्च, SUV में ट्रिपल स्क्रीन और लेवल-2 ADAS मिलेगा

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल) | महिंद्रा ने अपनी पॉपुलर XUV 700 का फेसलिफ्ट वर्जन XUV 7XO नाम से लॉन्च कर दिया है। कार को डॉल्बी एटमॉस साउंड सिस्टम, 540° व्यू कैमरा और ट्रिपल स्क्रीन सेटअप के साथ उतारा गया है। कार को 6 और 7 सीटर ऑप्शन के साथ 6 वैरिएंट में पेश किया गया है।

इसमें AX, AX3, AX5, AX7, AX7 T और AX7 L शामिल हैं। महिंद्रा XUV 7XO की कीमत 13.66 लाख रुपए से 25 लाख रुपए (एक्स-शोरूम पैन-इंडिया) के बीच रखी गई है। इसका मुकाबला महिंद्रा स्कॉर्पियो एन, टाटा सफारी, हुंडई अल्कजार और MG हेक्टर प्लस से होगा।

एक्सटीरियर: XEV 9S और XEV 9E से इन्स्पायर्ड डिजाइन : नई महिंद्रा XUV 7XO का लुक काफी हद तक मौजूदा XUV700 जैसा ही है, लेकिन इसमें कंपनी की हाल ही में लॉन्च हुई इलेक्ट्रिक गाड़ियां XEV 9S और XEV 9E से कुछ स्टाइलिंग एलिमेंट्स लिए गए हैं, जिनमें बूमरैंग के साइज की DRLs, ट्रेपेजॉइडल फ्रंट LED हेडलाइट्स, हेक्सागोनल डिटेलिंग वाली नई टेललाइट्स और एक अपडेटेड फ्रंट ग्रिल शामिल हैं। कार में अब नए अलॉय व्हील्स दिए गए हैं। कुल मिलाकर लुक ज्यादा मॉडर्न और प्रीमियम हो गया है।

परफॉर्मेंस: 2.0 लीटर का टर्बो पेट्रोल इंजन

- कंपनी ने SUV के पावरट्रेन में कोई बदलाव नहीं किया है। इसमें पहले की तरह दो इंजन ऑप्शन मिलते हैं। इसमें एक 2.0 लीटर का टर्बो पेट्रोल इंजन है, जो 200PS की पावर और 380Nm का टॉर्क जनरेट करता है।
- गियरबॉक्स की बात करें तो इंजन के साथ 6-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन और 6-स्पीड ऑटोमेटिक ट्रांसमिशन का ऑप्शन मिलता है। इसं इंजन के साथ फ्रंट व्हील ड्राइव का ऑप्शन मिलता है।
- वहीं, दूसरा 2.2 लीटर का डीजल इंजन मिलेगा, जो 185PS की पावर और 450Nm का टॉर्क जनरेट करता है। इसके साथ भी 6-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन और 6-स्पीड ऑटोमेटिक ट्रांसमिशन का ऑप्शन मिलता है।
- डीजल इंजन के साथ फ्रंट व्हील ड्राइव और ऑटोमेटिग गियरबॉक्स के साथ ऑल व्हील ड्राइव का ऑप्शन मिलेगा।

सेफ्टी फीचर: 7 एयरबैग, 540 डिग्री कैमरा सेटअप

- महिंद्रा XUV 7XO का टॉप मॉडल 7 एयरबैग, 540 डिग्री कैमरा, ऑटो-होल्ड के साथ इलेक्ट्रॉनिक पार्किंग ब्रेक और ISOFIX सीट एंकरेज से लैस है। इसमें पहले की तरह, इसमें लेवल-2 एडवांस ड्राइविंग असिस्ट सिस्टम (ADAS) भी दिया गया है।
- इसमें एडैप्टिव क्रूज कंट्रोल, लेन कीप असिस्ट और ऑटोमैटिक इमरजेंसी ब्रेकिंग शामिल हैं। जहां XUV700 ने 2021 के ग्लोबल NCAP क्रैश टेस्ट में पूरे 5 स्टार हासिल किए थे, वहीं महिंद्रा का दावा है कि 7XO भारत NCAP में 5 स्टार रेटिंग मैच करेगी।

इंटीरियर और फीचर्स

- अंदर की तरफ सबसे बड़ी बदलाव ट्रिपल स्क्रीन सेटअप है – डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, सेंट्रल इंफोटेनमेंट और फ्रंट पैसेंजर के लिए अलग स्क्रीन। नया टू-स्पोक स्टीयरिंग व्हील, डुअल-टोन कलर थीम और टच बेस्ड HVAC कंट्रोल पैनल दिया गया है।
- कम्फर्ट फीचर्स में पैनोरमिक सनरूफ, वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, पावर्ड बॉस मोड, 16 स्पीकर हरमन कार्डन साउंड सिस्टम विद डॉल्बी एटमॉस, वायरलेस चार्जिंग और डुअल-ज़ोन क्लाइमेट कंट्रोल शामिल हैं।
- सेफ्टी के लिए लेवल-2 ADAS सूट मिलता है, जिसमें एडाप्टिव क्रूज कंट्रोल, लेन कीप असिस्ट और ऑटोमैटिक इमरजेंसी ब्रेकिंग है। इसके अलावा 540 डिग्री कैमरा, इलेक्ट्रॉनिक पार्किंग ब्रेक विद ऑटो-होल्ड और ISOFIX एंकरेज हैं। कंपनी का दावा है कि यह भारत NCAP में 5 स्टार रेटिंग मैच करेगी।

ओला इलेक्ट्रिक की बाजार हिस्सेदारी 50% से ज्यादा गिरी : 2025 में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की बिक्री में टीवीएस नंबर-1

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)| साल 2025 में ओला इलेक्ट्रिक की बाजार हस्सेदारी में 50% से ज्यादा की गिरावट आई है। अब तक मार्केट लीडर रही ओला को पीछे छोड़ टीवीएस मोटर ने नंबर-1 की जगह ले ली है।

वहीं, बजाज ऑटो, एथर एनर्जी और हीरो मोटोकॉर्प ने बाजार में अपनी पकड़ मजबूत की है। पुराने वाहन निर्माताओं ने अपने मजबूत सर्विस नेटवर्क और ब्रांड भरोसे के दम पर ओला जैसी नई कंपनियों को पीछे छोड़ दिया है।

सरकारी वाहन पोर्टल के आंकड़ों के मुताबिक, 2024 में ओला इलेक्ट्रिक की बाजार में हिस्सेदारी 36.7% थी, जो 2025 में घटकर सिर्फ 16.1% रह गई। साल 2025 में कंपनी ने कुल 1,96,767 गाड़ियां बेचीं। ओला के लिए यह साल काफी चुनौतीपूर्ण रहा। कंपनी को सर्विस में देरी, गाड़ियों में खराबी और ग्राहकों की लगातार शिकायतों का सामना करना पड़ा।

इस उथल-पुथल के बीच टीवीएस मोटर 24.2% हिस्सेदारी के साथ मार्केट लीडर बनकर उभरी। कंपनी ने साल भर में 2,95,315 यूनिट्स बेचीं।

बजाज ऑटो 21.9% मार्केट शेयर के साथ दूसरे नंबर पर रही। वहीं हीरो मोटोकॉर्प ने भी लंबी छलांग लगाई है। 2024 में इसका शेयर 3.9% था, जो 2025 में बढ़कर 8.8% हो गया।

मोटोरोला का नया प्रीमियम फोन लांच : सिग्नेचर सीरीज में फैब्रिक फिनिश व पेरिस्कोप कैमरा; 16जीबी रैम और स्टाइलस सपोर्ट मिलेगा

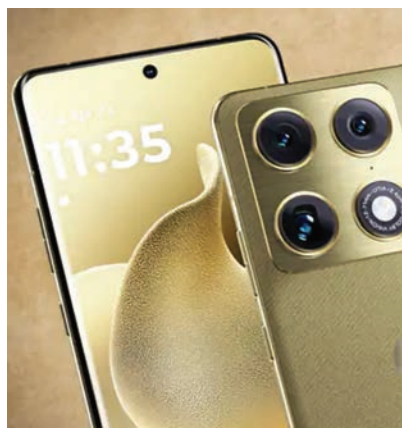

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)| मोटोरोला भारत में अपना नया प्रीमियम स्मार्टफोन लॉन्च करने जा रही है। कंपनी ने इस फोन को सिग्नेचर नाम दिया है और इसका लॉन्च 7 जनवरी 2026 को हुआ। मोटोरोला इंडिया ने सोशल मीडिया पर टीजर शेयर किया है, जिसमें प्रीमियम डिजाइन पर फोकस दिखाया गया है। फोन फ्लिपकार्ट, मोटोरोला की ऑफिशियल साइट और अन्य प्लेटफॉर्म पर बिक्री के लिए अवेलेबल होगा।

मोटोरोला सिग्नेचर में फैब्रिक फिनिश वाला बैक पैनल मिल सकता है। कंपनी ने टीजर में इसे प्रीमियम लुक देने की बात कही है। रियर में स्क्वेयर शेप का कैमरा मॉड्यूल होगा, जिसमें ट्रिपल कैमरा सेटअप और LED फ्लैश दिया गया है। फोन में मेटल फ्रेम और स्लिम बेजेल्स वाली फ्लैट डिस्प्ले मिलने की उम्मीद है।

लीक्स के मुताबिक, मोटोरोला सिग्नेचर में स्नैपड्रैगन 8 जेन 5 प्रोसेसर मिल सकता है। यह चिपसेट अभी नया है और हाई परफॉर्मेंस देगा। फोन में 16GB तक रैम और ANDROID 16 बेस्ड HELLO UI मिलने की जानकारी है। डिस्प्ले 6.7 इंच की 1.5K OLED हो सकती है।

न्यूज ब्रीफ

फास्टैग के लिए KYV प्रोसेस 1 फरवरी से खत्म होगी

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)| संसद 1 फरवरी 2026 से नई कार, जीप और वैन के लिए फास्टैग जारी करते समय अब KYV (नो योर व्हीकल) प्रोसेस की जरूरत नहीं होगी। नेशनल हाईवेज अथॉरिटी ऑफ इंडिया (NHAI) ने नई कार के लिए KYV प्रोसेस बंद करने का फैसला किया है। साथ ही, जिन कारों पर पहले से फास्टैग लगा है, उनके मालिकों को भी अब रूटीन KYV कराने की जरूरत नहीं होगी। इससे वाहन मालिकों को वैलिड डॉक्युमेंट होने के बावजूद लंबी वेरिफिकेशन प्रक्रिया के लिए इंतजार नहीं करना पड़ेगा। सरकार के इस कदम का उद्देश्य फास्टैग एक्टिव होने के बाद होने वाली परेशानी को खत्म करना है। पहले यूजर्स को अक्सर शिकायत रहती थी कि टैग एक्टिव होने के बाद भी बैंक या अथॉरिटी की ओर से वेरिफिकेशन के नाम पर देरी की जाती है। नई गाइडलाइन के बाद अब फास्टैग को बार-बार अपडेट करने की जरूरत खत्म हो जाएगी।

सिर्फ शिकायत मिलने पर ही होगी जांच : अथॉरिटी के अनुसार, KYV की प्रक्रिया को पूरी तरह खत्म नहीं किया गया है, बल्कि इसे 'जरूरत आधारित' बना दिया गया है। अब सिर्फ KYV तभी मांगा जाएगा, जब किसी फास्टैग के गलत इस्तेमाल, गलत तरीके से जारी होने या उसके लूज होने की कोई शिकायत मिलेगी। सामान्य तौर पर काम कर रहे फास्टैग के लिए अब किसी तरह के डॉक्युमेंट की दोबारा मांग नहीं की जाएगी।

2026 कावासाकी वल्कन S भारत में लॉन्च, कीमत 8.13 लाख

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)| कावासाकी इंडिया ने अपनी मिडिल-वेट क्रूजर बाइक 2026 वल्कन S को भारत में लॉन्च कर दिया है। बाइक में सबसे खास इसका 649cc का अपडेटेड इंजन है, जो E20 फ्यूल (20% एथेनॉल मिक्स पेट्रोल) से चल सकता है। इंजन अपडेट के अलावा बाइक में नया कलर ऑप्शन भी जोड़ा गया है, जो इसे पहले के मुकाबले ज्यादा प्रीमियम लुक देता है। जापानी बाइक निर्माता कंपनी ने बाइक की एक्स-शोरूम कीमत 8.13 लाख रुपए रखी है। बाजार में इस कीमत पर वल्कन S का कोई सीधा मुकाबला नहीं है, हालांकि बजट और इंजन क्षमता के मामले में इसकी टक्कर रॉयल एनफील्ड की 'सुपर मीटियोर 650' से है, जिसकी शुरुआती कीमत 3.99 लाख है। बाइक के डायमेंशन में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसकी सीट की ऊंचाई सिर्फ 705mm है, जो कम हाइट वाले राइडर्स के लिए काफी आरामदायक है। इसका ग्राउंड क्लीयरेंस 130mm है। वल्कन S का क्लासिक क्रूजर डिजाइन, लंबी दूरी की यात्रा और आरामदायक राइडिंग पोजीशन के लिए जाना जाता है।

बीईई स्टार रेटिंग के नए नियम आज से लागू, कॉपर की बढ़ती कीमतों का भी असर

एसी-फ्रिज जैसे इलेक्ट्रॉनिक सामान 10% तक हो सकते हैं महंगे

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)| नए साल में रेफ्रिजरेटर (फ्रिज) और एयर कंडीशनर (AC) जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण महंगे हो सकते हैं। आज यानी 1 जनवरी से ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी (BEE) के नए स्टार रेटिंग नियम लागू हो गए हैं। इससे रूम एयर कंडीशनर की कीमतों में 10% और फ्रिज के दाम में 5% तक की बढ़ोतरी हो सकती है। कंपनियों का कहना है कि नई रेटिंग के हिसाब से मशीनरी में बदलाव और महंगे कंपोनेंट्स के इस्तेमाल की वजह से यह इजाफा जरूरी हो गया है। साथ ही, डॉलर के मुकाबले रुपए की कमजोरी और ग्लोबल मार्केट में कॉपर (तांबा) के बढ़ते दाम भी मैन्युफैक्चरर्स पर दबाव बना रहे हैं।

5-स्टार AC अब 4-स्टार कहलाएगा : BEE के नए नियमों के तहत एनर्जी एफिशिएंसी के मानक सख्त हो गए हैं। ब्लू स्टार के मैनेजिंग डायरेक्टर बी. त्यागराजन ने बताया कि नए नियम लागू होने के बाद आज का 5-स्टार AC कल का 4-स्टार बन जाएगा। इसी तरह मौजूदा 4-स्टार को 3-स्टार और 3-स्टार को 2-स्टार रेटिंग दी जाएगी। त्यागराजन के मुताबिक, नया 5-स्टार AC आज के मुकाबले 10% ज्यादा बिजली बचाएगा, लेकिन इसकी कीमत भी करीब 10% ज्यादा होगी। यह एक तरह से पूरी तरह नया प्रोडक्ट होगा जो आज के 6 या 7-स्टार रेटिंग के बराबर की एफिशिएंसी देगा।

कंपनियों को BEE की नई स्टार लेबलिंग अन्य घरेलू उपकरणों पर भी लगानी होगी। इसमें टेलीविजन (TV), LPG गैस चूल्हे, कूलिंग टावर्स और चिलर्स पर भी स्टार रेटिंग देना जरूरी होगा। इससे ग्राहकों को सामान खरीदते समय यह समझने में आसानी होगी कि कौन सा उपकरण कितनी बिजली या गैस की बचत करेगा।

इसी साल सितंबर में सरकार ने रूम एयर कंडीशनर पर GST में 10% की कटौती की थी, जिससे ग्राहकों को राहत मिली थी। हालांकि, अब स्टार रेटिंग में बदलाव और रॉ मटेरियल महंगा होने से कीमतों में जो बढ़ोतरी होगी, उससे GST का फायदा लगभग खत्म हो जाएगा। डाइकिन एयरकंडीशनिंग इंडिया के चेयरमैन कंवलजीत जावा का कहना है कि नई कीमतों के बाद दाम उसी स्तर पर पहुंच सकते हैं, जो GST कटौती से पहले थे।

इनपुट कॉस्ट और डॉलर का बढ़ता दबाव

गोदरेज अप्लायंसेज के बिजनेस हेड कमल नंदी ने कहा कि कंज्यूमर ड्यूरेबल्स इंडस्ट्री इस वक्त दोहरी मार झेल रही है। एक तरफ रुपए की गिरती वैल्यू और कॉपर जैसी कमोडिटीज की बढ़ती कीमतें हैं, तो दूसरी तरफ एनर्जी रेटिंग में बदलाव। इन सबको मिलाकर AC की कीमतों में 5-7% और फ्रिज में 3-5% तक की बढ़ोतरी तुरंत देखने को मिल सकती है।

वोल्टास के सीनियर बिजनेस लीडर जयंत बालन का मानना है कि रेटिंग में बदलाव से कंज्यूमर बिहेवियर बदल रहा है। लोग नई कीमतें लागू होने से पहले ही खरीदारी करना चाह रहे हैं, ताकि वे मौजूदा दाम और स्टॉक का फायदा उठा सकें। बालन के अनुसार, अलग-अलग मॉडल और कैटेगरी के हिसाब से औसत 7-8% तक दाम बढ़ सकते हैं, जिससे मार्केट में अभी से हलचल तेज हो गई है।

टाटा हैरियर और सफारी का पेट्रोल वर्जन लॉन्च: टर्बो-पेट्रोल इंजन के साथ एडवांस सेफ्टी फीचर्स

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल) | टाटा मोटर्स ने अपनी पॉपुलर फुल साइज SUV टाटा हैरियर और सफारी का पेट्रोल वर्जन लॉन्च कर दिया है। कंपनी दोनों कारों को नए 1.5-लीटर का TGDI टर्बो-पेट्रोल इंजन के साथ पेश किया है। कंपनी ने ये इंजन पहली बार ऑटो एक्सपो 2023 में शोकेस किया था। ये इंजन 25 नवंबर को लॉन्च हुई नई SUV टाटा सिएरा में दिया गया है। इसके अलावा, टाटा ने दोनों कारों में कुछ बदलाव भी किए हैं और नए फीचर्स भी जोड़े हैं। टाटा ने हैरियर पेट्रोल की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 12.89 लाख रुपए और सफारी पेट्रोल की एक्स-शोरूम कीमत 13.29 लाख रुपए है। टाटा सफारी का मुकाबला MG हेक्टर प्लस, महिंद्रा XUV700 और हुंडई अल्कजार से है। वहीं टाटा हैरियर की टक्कर MG हेक्टर और जीप कंपास से है।

सेफ्टी के लिए लेवल-2 ADAS फीचर्स

दोनों कार में सेफ्टी के लिए 360° कैमरा के साथ लेवल-2 ADAS फीचर्स मिलते हैं। इनमें लेन कीप असिस्ट, एडेप्टिव स्टीयरिंग असिस्ट, एडॉप्टिव क्रूज कंट्रोल, ऑटोनॉमस इमरजेंसी ब्रेकिंग, फॉरवर्ड कॉलिजन वॉर्निंग और हाई बीम असिस्ट जैसे फीचर्स शामिल हैं।

हैरियर में नया नाइट्रो क्रिमसन रेड कलर ऑप्शन मिलेगा

कंपनी ने दोनों SUV के डिजाइन और स्टाइल में कोई बड़ा बदलाव नहीं किया है। हैरियर में कुछ ऐसे छोटे-मोटे बदलाव किए हैं जो इसे और भी आकर्षक बनाते हैं। इसमें नया नाइट्रो क्रिमसन रेड कलर जोड़ा है, जो स्पोर्टी लुक देता है। साथ ही अब रेड डार्क एडिशन फिर से अवेलेबल है, जो SUV को स्टैंडर्ड वर्जन से भी ज्यादा कूल लुक देता है। रेड डार्क सिर्फ टॉप-स्पेक वैरिएंट में ही अवेलेबल है, जो सिर्फ पेट्रोल इंजन के साथ आते हैं। स्टेल्थ और डार्क एडिशन डीजल इंजन के साथ भी अवेलेबल हैं।

परफॉर्मेंस : पेट्रोल इंजन के साथ 25.9kmpl का माइलेज

- टाटा सफारी और टाटा हैरियर में फिलहाल 2.0-लीटर का 4-सिलेंडर डीजल इंजन मिलता है, जो 170PS की मैक्सिमम पावर और 350Nm का पीक टॉर्क जनरेट करता है। इंजन को 6-स्पीड मैनुअल और ऑटोमेटिक गियरबॉक्स के साथ ट्यून किया गया है।
- हैरियर इस इंजन के साथ मैनुअल ट्रांसमिशन में 16.80kmpl और ऑटोमेटिक ट्रांसमिशन में 14.60kmpl का माइलेज देती है। वहीं, सफारी में मैनुअल ट्रांसमिशन के साथ 16.30kmpl और ऑटोमेटिक गियरबॉक्स के साथ 14.50kmpl का क्लेम्ड माइलेज मिलता है।
- अब दोनों कार में 1.5-लीटर का T-GDi टर्बो पेट्रोल इंजन भी मिलेगा, जो 170PS की पावर और 280Nm का टॉर्क जनरेट करता है। इस इंजन के साथ दोनों कारों में 6-स्पीड मैनुअल और 6-स्पीड ऑटोमेटिक ट्रांसमिशन का ऑप्शन दिया गया है।
- फ्यूल एफिशिएंसी की बात करें तो कंपनी ने हैरियर में 25.9kmpl और सफारी 25kmpl के माइलेज का दावा किया है। हैरियर और सफारी के पेट्रोल वैरिएंट 216 किलोमीटर प्रति घंटा की टॉप स्पीड हासिल कर सकते हैं।

रेसिपी : सर्दियों को लेकर विशेष...

इस बार लड्डुओं में डालें गाजर का तड़का, जानें कैसे बनाएं ये नई और आसान रेसिपी

मकर संक्रांति का पर्व आने वाला है। हर साल की तरह घर-घर में तिल के पारंपरिक लड्डुओं की ख़ुशबू फैलने लगेगी। लेकिन इस बार क्यों न तिल से कुछ नए अंदाज़ के लड्डू बनाए जाएं? साथ ही गुड़ और गाजर के मौसम का स्वाद जोड़ते हुए, इस संक्रांति कुछ नई और खास रेसिपी भी आजमाइए...

गाजर लड्डू

क्या चाहिए : गाजर- 500 ग्राम कीसी हुई, गुड़- 200-250 ग्राम कीसा हुआ, दूध पाउडर- 100 ग्राम, घी- 3-4 बड़े चम्मच, इलायची पाउडर- 1/2 छोटा चम्मच, मेवे (काजू, बादाम, पिस्ता)- थोड़े-से बारीक कटे हुए, कीसा सूखा नारियल- 1/4 कप।

ऐसे बनाएं : कड़ाही में दो बड़े चम्मच घी गर्म करें। इसमें गाजर डालकर मध्यम आंच पर भूनें। जब गाजर का पानी सूख जाए और वह नरम हो जाए, तब इसमें गुड़ डालकर लगातार चलाते हुए पकाएं। मिश्रण थोड़ा गाढ़ा होने लगे तो इसमें बचा हुआ घी, दूध पाउडर, नारियल और मेवे डालकर अच्छी तरह मिलाएं। अंत में इलायची पाउडर डालें। मिश्रण को तब तक पकाएं जब तक वह कड़ाही के किनारे न छोड़ने लगे और लड्डू बनाने लायक न हो जाए। *गैस बंद करें और मिश्रण को थाली में*

निकालकर थोड़ा ठंडा होने दें। हथेलियों पर थोड़ा घी लगाएं और मिश्रण से लड्डू बना लें। इसे भुने तिल और नारियल बूरे में लपेट लें। इन्हें फ्रिज में एक हफ़्ते तक रख सकते हैं।

शाही तिल लड्डू

क्या चाहिए : सफेद तिल- 1 कप, कीसा हुआ गुड़- 3/4 कप, नारियल बूरा- 1/4 कप, दूध पाउडर- 1/2 कप, घी- 2-3 बड़े चम्मच, इलायची पाउडर- 1/2 छोटा चम्मच, बारीक कटे मेवे (बादाम, पिस्ता, काजू)- 1 कप।

ऐसे बनाएं : कड़ाही में तिल को मध्यम आंच पर 3-4 मिनट तक भूनें। ठंडा होने पर इन्हें मिक्सर पर पल्स मोड पर दरदरा पीस लें, ध्यान रखें कि तेल न निकले। एक बड़े बर्तन में पिसे हुए तिल, दूध पाउडर, नारियल बूरा और इलायची पाउडर को अच्छी तरह मिला लें।

कड़ाही में घी गर्म करके मेवे तलें और तिल के मिश्रण में मिला दें। अब उसी कड़ाही में गुड़ डालें और धीमी आंच पर पिघलने तक पकाएं। गुड़ पिघलते ही गैस बंद करें और तुरंत तिल के मिश्रण में डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। *मिश्रण हल्का गर्म रहे तभी हथेलियों पर थोड़ा घी लगाकर लड्डू बना लें।*

गुड़ बूंदी

क्या चाहिए : बूंदी के लिए- बेसन- 1 कप, चावल का आटा- 1 बड़ा चम्मच, घी- तलने के लिए। चाशनी के लिए- कीसा हुआ गुड़- 1 कप, पानी- 1/2 कप, सौंठ पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच, इलायची पाउडर- 1/2 छोटा चम्मच।

ऐसे बनाएं : बड़े बर्तन में बेसन और चावल का आटा छान लें। थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए गाढ़ा और चिकना घोल तैयार करें। घोल न ज़्यादा पतला हो और न ज़्यादा गाढ़ा। इसे 4-5 मिनट तक अच्छी तरह से फेंटें ताकि बूंदी फूली हुई बने।

अब कड़ाही में घी गर्म करें। छेद वाले झारे को कड़ाही के ऊपर रखें और उस पर थोड़ा-थोड़ा घोल डालकर बूंदी छानें। आंच मध्यम रखें और बूंदी को सुनहरी व कुरकुरी होने तक तलें। प्लेट में निकाल लें।

दूसरी कड़ाही में गुड़ व आधा कप पानी डालकर मध्यम आंच पर एक तार की चाशनी बनने तक पकाएं। चाशनी तैयार होने पर इसमें इलायची पाउडर और सौंठ मिलाएं। गैस बंद करें और तैयार बूंदी चाशनी में डाल दें। हल्के हाथ से मिलाएं ताकि सारी बूंदी पर गुड़ की परत चढ़ जाए।

गुड़ लड्डू

क्या चाहिए : गुड़- 250 ग्राम कीसा हुआ, मेवे (बादाम, काजू, अखरोट, पिस्ता)- 2 कप बारीक कटे हुए, कटा हुआ मखाना- 1 कप, खसखस दाने- 2 बड़े चम्मच, गोंद- 2 बड़े चम्मच, कीसा सूखा नारियल- 1/2 कप, घी- 4-5 बड़े चम्मच, सोंठ पाउडर- 1 छोटा चम्मच, इलायची पाउडर- 1 छोटा चम्मच।

ऐसे बनाएं : कड़ाही में तीन बड़े चम्मच घी गर्म करें। इसमें गोंद डालकर कुरकुरा तलें व निकालकर मसल लें। फिर मेवों को हल्का सुनहरा होने तक भूनकर निकाल लें। मखानों को भी कुरकुरा भूनकर निकालें। अंत में सूखा नारियल और खसखस डालकर एक मिनट भूनें व निकाल लें।

कड़ाही में बचा हुआ घी और गुड़ डालें। धीमी आंच पर गुड़ को सिर्फ़ पिघलने तक पकाएं, चाशनी न बनाएं। जैसे ही गुड़ पिघल जाए, गैस बंद कर दें। अब इसमें मेवे, नारियल, मखाना, गोंद, सोंठ पाउडर और इलायची पाउडर डालकर अच्छी तरह मिलाएं। मिश्रण को थोड़ा ठंडा होने दें और हाथों से लड्डू बना लें।

तिल हलवा

क्या चाहिए : सफेद तिल- 1 कप, कीसा हुआ गुड़- 3/4 कप, सूजी- 1/4 कप, घी- 4 बड़े चम्मच, मलाई युक्त दूध- 2 कप, इलायची पाउडर- 1/2 छोटा चम्मच, कटे हुए मेवे (बादाम, काजू और पिस्ता)- थोड़े-से।

ऐसे बनाएं : कड़ाही में तिल को धीमी आंच पर 2-3 मिनट तक भूनें। जब तिल फूलने लगें और ख़ुशबू आने लगे, तो इन्हें निकाल लें। ठंडा होने पर तिल को दरदरा पीस लें।

अब कड़ाही में दो बड़े चम्मच घी गर्म करें और मेवे तलकर निकाल लें। उसी घी में सूजी डालकर धीमी आंच पर हल्का गुलाबी होने तक भूनें। इसमें पिसे हुए तिल डालें और एक मिनट और भूनें। अब दूध डालें और लगातार चलाते रहें ताकि गुठलियां न बनें। जब मिश्रण गाढ़ा होने लगे, तब गुड़ डालें। हलवे को चलाते रहें जब तक गुड़ पूरी तरह पिघल न जाए। अब बचा हुआ घी डालें और हलवे को तब तक भूनें जब तक वह कड़ाही के किनारे न छोड़ने लगे। अंत में इलायची पाउडर और मेवे डालकर गैस बंद कर दें। कुछ देर ढककर रखें। गर्मागर्म तिल का हलवा तैयार है।

बुजुर्गों की देखभाल : दवा ही नहीं, उसे लेने का सही तरीका भी है जरूरी

बढ़ती उम्र में सही समय पर सही दवा लेना स्वास्थ्य के लिए अनिवार्य है। छोटी-सी भी चूक गंभीर परिणाम दे सकती है, इसलिए दवाओं के प्रबंधन में सावधानी बरतना बेहद ज़रूरी है। अगर आपके घर में कोई बुज़ुर्ग हैं, जो दवाइयां लेते हैं तो आप उनकी उचित देखभाल के लिए ये क़दम उठा सकते हैं।

बड़े अक्षरों वाले रैपर

कई दवाओं के पत्ते दिखने में एक जैसे होते हैं। आप हर पत्ते पर सफ़ेद टेप चिपकाकर उस पर बड़े अक्षरों में दवा का नाम या उसका उद्देश्य (जैसे- 'बीपी की दवा') लिख सकते हैं।

रंगीन डिब्बों का प्रयोग

सुबह, दोपहर और रात की दवाओं के लिए अलग-अलग रंगों के बॉक्स का उपयोग करें। उदाहरण के लिए, सुबह के लिए पीला, दोपहर के लिए नारंगी और रात के लिए नीला। क्योंकि उनके लिए रंगों की पहचान करना आसान होगा और वे एक समय खाई जाने वाली दवाई बिना चूक के खा सकते हैं।

स्पष्ट पहचान चिह्न

अगर वे सही तरह पढ़ नहीं पाते तो लिखने के बजाय चिह्न बना सकते हैं। जैसे- सुबह की दवा पर 'सूरज', शाम की है तो 'पक्षी' और रात की दवा पर 'चांद' का चित्र बना दें।

दवाओं का पृथक्करण

ऐसी दवाएं जो दिखने में बिलकुल एक जैसी लगें, उन्हें कभी भी एक साथ न रखें। उन्हें हमेशा अलग-अलग डिब्बों में रखें ताकि ग़लती से भी ग़लत दवा न ली जाए।

एक्सपायरी की जांच

जब दवाई ख़रीदें उसी समय उसके रैपर या फिर डिब्बे पर एक्सपायरी की तारीख भी लिख दें। इसे समय-समय पर जांचते रहें। पुरानी दवाओं को तुरंत हटा दें ताकि वे नई दवाओं के साथ न मिलें।

आपकी अनुपस्थिति में दवाओं का इंतज़ाम

मान लीजिए कभी कोई ऐसी स्थिति हो जब आप घर पर उनके पास मौजूद न हों तो ये कुछ इंतज़ाम आज ही कर दें ताकि उस समय कोई समस्या न हो।

- **वॉइस रिकॉर्डिंग अलार्म :** सामान्य अलार्म की जगह उनके फोन में अपनी आवाज़ रिकॉर्ड करके रिंगटोन लगाएं। जैसे- 'पापा, अब शुगर की गोली लेने का समय है।' आपकी आवाज़ सुनकर उन्हें स्पष्ट निर्देश मिल जाएंगे।
- **इमरजेंसी नंबरों की सूची-** फोन की स्पीड डायल लिस्ट या फिर डायरी में डॉक्टर, नज़दीकी फार्मासिस्ट और अपना नंबर सेव करें। चाहें तो फोन के पीछे एक काग़ज़ पर ये नंबर लिखकर चिपका दें ताकि ज़रूरत पड़ने पर तुरंत कॉल कर सकें।
- **लिखित टाइमटेबल-** एक चार्ट पेपर पर बड़े अक्षरों में दवाओं का टाइमटेबल बनाएं। इसमें दवा का नाम, उसकी मात्रा (आधी या पूरी) और दवाई लेने का समय स्पष्ट लिखें। यह चार्ट उस जगह पर लगाएं जहां वे सबसे ज़्यादा बैठते हैं।
- **एप का उपयोग-** आजकल कई ऐसे एप्स उपलब्ध हैं जिनका इस्तेमाल आप ख़ुद के लिए कर सकते हैं। इससे आप उनकी बेहतर मदद कर पाएंगे। ये एप दवा लेने के समय पर अलर्ट करता है, खुराक की मात्रा, दवा की ख़रीद की तारीख़ को भी ट्रैक करता है ताकि आप जान सकें कि दवाई कब फिर से ऑर्डर करना है।

सेल्फ-केयर : रोजमर्रा की इन छोटी चीज़ों में छिपा है, आपकी बड़ी खुशियों और सेहत का राज

अक्सर हमारे वॉर्डरोब का सबसे महंगा हिस्सा वह सूट या साड़ी होती है जिसे हम साल में केवल एक या दो बार किसी शादी या विशेष कार्यक्रम में पहनते हैं। इसके उलट, जिन कपड़ों में हम रोज़ ऑफिस जाते हैं, घर में रहते हैं या काम करते हैं, उन पर हम बहुत कम ध्यान देते हैं।

▪ **आख़िर क्यों...** हम रोज़ के कपड़ों में लगभग 90 प्रतिशत समय बिताते हैं। इसलिए इनकी गुणवत्ता और फिटिंग अच्छी होनी चाहिए ताकि आप रोज़ ख़ास महसूस करें। इसका असर आपके आत्मविश्वास व कार्यक्षमता पर भी पड़ेगा।

क्या खा रहे हैं...

अमूमन लोग किसी बड़े रेस्तरां में एक ही शाम में हज़ारों रुपये ख़र्च कर देते हैं, पर जब घर के लिए अच्छे फल, पौष्टिक सब्ज़ियां या उच्च गुणवत्ता वाले मेवे ख़रीदने की बात आती है, तो हम बचत करने लगते हैं।

▪ **आख़िर क्यों...** एक दिन का भारी और चटपटा भोजन आपको क्षणिक आनंद दे सकता है, लेकिन वह आपके स्वास्थ्य की नींव नहीं बनाता। इसके विपरीत, रोज़ की थाली में थोड़ा अतिरिक्त निवेश-बेहतर सामग्री और संतुलित पोषण-आपके शरीर के लिए दीर्घकालिक सुरक्षा है।

किस तरह सो रहे हैं...

हम अपने जीवन का लगभग एक-तिहाई हिस्सा सोने में बिताते हैं, फिर भी नींद से जुड़ी चीज़ों पर ख़र्च करते समय सबसे ज़्यादा समझौता करते हैं। एक अच्छे गद्दे या आरामदायक तकिए पर निवेश करने से हिचकिचाते हैं।

▪ **आख़िर क्यों...** अच्छी नींद आपके अगले पूरे दिन की ऊर्जा, एकाग्रता और मानसिक संतुलन को तय करती है। जो चीज़ आपके शरीर को रोज़ आराम देती है, वह दिखावे की चीज़ों से कहीं ज़्यादा महत्वपूर्ण है। नींद पर किया गया निवेश आपकी सेहत और कार्यक्षमता दोनों के रूप में लौटकर आता है। इसलिए रोज़ पर्याप्त नींद लें।

कैसे सज रहे हैं...

शादी या पार्टी से पहले लोग पार्लर/सैलून में हज़ारों रुपये ख़र्च कर देते हैं, ताकि उस एक दिन उनकी त्वचा बेहतर दिखे। लेकिन रोज़मर्रा की ज़िंदगी में स्किनकेयर और व्यक्तिगत स्वच्छता को अक्सर नज़रअंदाज़ कर दिया जाता है।

▪ **आख़िर क्यों...** त्वचा को बेहतर बनाने के लिए इस पर रोज़ ध्यान देना ज़रूरी है। किसी एक दिन त्वचा या फिर बालों का महंगा-सा उपचार कराने से आपको सिर्फ़ क्षणिक सुंदरता मिलती है, वहीं नियमित साफ़-सफ़ाई, धूप से सुरक्षा और त्वचा को नमी देने जैसी छोटी आदतें अपनाकर आप स्वयं की सही और बेहतर देखभाल कर सकते हैं।

कैसे आराम कर रहे हैं...

अक्सर हम यह कहकर ख़ुद को समझा लेते हैं कि 'वीकेंड पर सो लेंगे', इसलिए रोज़ देर रात तक जागना सामान्य हो जाता है। लेकिन जो नींद पूरे हफ़्ते में कम होती जाती है, उसकी भरपाई केवल एक या दो दिनों में संभव नहीं होती।

▪ **आख़िर क्यों...** नींद कोई विलासिता नहीं, बल्कि शरीर की प्राकृतिक मरम्मत प्रक्रिया है। रोज़ की पर्याप्त नींद आपके मूड, निर्णय लेने की क्षमता और शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाती है। कभी-कभार देर तक जागना अलग बात है, लेकिन रोज़ की नींद से समझौता करना ख़ुद पर किया गया अन्याय है। इसे सेहत के साथ खिलवाड़ कहेंगे।

विंटर फन... ठंड के मौसम में ऊर्जा और उत्साह कैसे बनाए रखा जा सकता है, यहां जानिए...

सर्दियों के साथ जीवन में स्वाद सहित विभिन्न सुखद अहसास का आगमन हो चुका है। जाड़े की ऋतु में कभी शीतलता चेहरे को छूकर ताज़गी जगा जाती है तो कभी गुनगुनी धूप तन और मन में आनंद भर जाती है। ऊर्जा, उत्साह और उत्प्रेरणा से भरपूर इस मौसम का मजा लीजिए...

रोशनी और उत्साह देकर दीपावली जब जाते-जाते देव दीपावली बनकर जगमगाती है, तो वह भोर गुलाबी ठंडक लिए होती है। उसके बाद शीत ऋतु कांतिपूर्ण कार्तिक को विदाई देती है और अगहन का हज़ारों रंगों के फूलों से स्वागत करती है। भगवान कृष्ण ने श्रीमद्भगवद्गीता के दसवें अध्याय में कहा है, 'मासानां मार्गशीर्षोऽहम्'। इसका अर्थ है- 'महीनों में, मैं मार्गशीर्ष हूं।' कृष्ण ने स्वयं को मार्गशीर्ष (अगहन) माह के रूप में वर्णित किया है, जो कि उनका सबसे प्रिय महीना है। फिलहाल यही मास चल रहा है, जो शीत ऋतु का हिस्सा है। सुहानी सर्दियां आ गई हैं और इसी के साथ आ गया है जीवन में स्वाद...

जादुई मौसम की मनमोहक छवियां

शीत की एक लहर हमें चादर छोड़कर गर्माहट भरी रज़ाई खींचने के लिए प्रेरित करती है और पंखे-कूलर बंद होने से छाई नीरवता में हृदय की हर धड़कन सुनाई देती है। रज़ाई में से झांकते मुंह इंतज़ार करते हैं कि कोई कहे, 'अदरक वाली गर्मागर्म चाय तैयार है!' प्रतीक्षारत मन को तब स्वर्गिक आनंद मिलता है जब कोई भाप छोड़ते पकौड़े भी साथ रख दे। प्रातः बाहर निकलते ही विदा होता चांद मुस्कराता है और धुंध से भरे बाग़ीचे में गेंदा, गुलदाउदी, डहलिया जैसे फूल रंग बिखेरने तैयारी में दिखते हैं। आगे एक अद्भुत नज़ारा हमारी प्रतीक्षा कर रहा होता है। हल्की रोशनी में लगता है कि सूरज को देखकर धरती ने हरा आंचल ओढ़ लिया है। पत्तों पर पड़ी ओस की बूंदें प्रकृति के शृंगार में जड़े गए मोतियों-सी लगती हैं। मौसम का यह जादुई अहसास पूरे दिन होता है, जैसा कि धर्मवीर भारती कहते हैं- जाड़े की हल्की बासंती दोपहरी ने जरतार धूप की चुनरी में मुंह छिपा लिया...

ठंड में ही है खाने-पहनने का मज़ा

अक्सर हम सुनते हैं कि खाने और पहनने-ओढ़ने का मज़ा तो ठंड में है। यह कपड़े फबने भर की बात नहीं है, बल्कि स्वेटर, शॉल, जैकेट आदि से मिलने वाले सुख की बानगी है। कपड़ों का यह सुख अन्य मौसमों में दुर्लभ ही है। जहां तक खाने की बात है, वैज्ञानिक भी कहते हैं कि शरीर का तापमान बनाए रखने के लिए ज़्यादा कैलोरी और वसा की ज़रूरत होती है, जिससे भूख खुलती है। सर्दियों में धूप कम मिलने से सेरोटोनिन हॉर्मोन का स्तर गिरता है, जो मूड को बेहतर करने वाले 'कंफर्ट फूड' की ओर प्रेरित करता है। प्रकृति यहां भी हमारे साथ होती है और वह ऐसे फल-सब्ज़ियां देती है जो एंटीऑक्सीडेंट, खनिज और विटामिंस से भरपूर और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मददगार होते हैं। सारी सब्ज़ियों और मौसमी फलों में अतिरिक्त स्वाद समा जाता है। यहां तक कि साधारण-सा गुड़ भी मिठाई बन जाता है।

कुदरत से ताल मिलाएं

- सर्दियां यानी सेहत, सक्रियता व सकारात्मकता। इस मौसम में प्रकृति से ताल मिलाकर हम अपना जीवन बेहतर कर सकते हैं।
- यह मौसम स्फूर्ति और उत्साह देता है। आप कोई नया काम शुरू करना चाहते हैं, कुछ नया सीखना चाहते हैं, तो श्रीगणेश कर दें।
- फल और सब्ज़ियों में स्वाद बढ़ गया है, तो क्यों न सेहतमंद खानपान की आदत डालें। दिन छोटे हैं और रातें लंबी। रात का भोजन जल्दी करें और दो घंटे बाद सोने चले जाएं।
- दिन का कुछ समय धूप में बिताएं। यह शरीर में विटामिन-डी के निर्माण के साथ ही 'फीलगुड हॉर्मोन' भी देगा।
- इन दिनों शरीर में ऊर्जा अधिक महसूस होती है, सो व्यायाम/सैर/खेल को दिनचर्या का अंग बनाएं।
- चाय की चुस्कियों के साथ मेलमिलाप का अपना ही मज़ा है। जाड़े को अपनों से जुड़ने का मौसम भी बनाएं।

सुप्रीम कोर्ट बोला-अरावली में रोक के बाद भी अवैध खनन:इससे ऐसे हालात बनेंगे, जिन्हें सुधार नहीं सकेंगे; रोकने के लिए एक्सपर्ट कमेटी बनाएंगे

जयपुर (राजधानी चौपाल)| सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को अरावली पहाड़ियों पर सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि रोक बावजूद भी अवैध खनन चल रहा है। इससे ऐसे हालात बनेंगे, जिन्हें सुधार नहीं सकेंगे। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि खनन रोकने के लिए विशेषज्ञों की एक एक्सपर्ट कमेटी गठित करेगा। कोर्ट ने राजस्थान सरकार से गारंटी ली कि अरावली क्षेत्र में किसी भी तरह का खनन नहीं होने दिया जाएगा।

कोर्ट ने पहले छोटी पहाड़ियों पर खनन का आदेश दिया, फिर वापस लिया था : सुप्रीम कोर्ट ने 20 नवंबर को जारी आदेश में 100 मीटर से छोटी पहाड़ियों पर खनन के आदेश दिए थे। जिससे पूरे देश में 100 मीटर की परिभाषा को लेकर विवाद खड़ा हो गया था।

29 नवंबर को अपने ही आदेश पर रोक लगा दी थी। मामले की जांच के लिए एक्सपर्ट कमेटी गठित

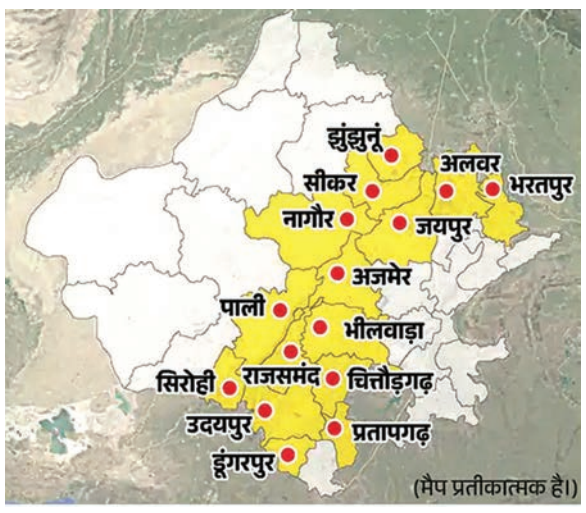

(मैप प्रतीकात्मक है।)

करने के निर्देश देते हुए केंद्र और अरावली के चार राज्यों (राजस्थान, गुजरात, दिल्ली और हरियाणा) को भी नोटिस जारी कर इस मुद्दे पर जवाब मांगा था।

अरावली पर्वतमाला को संरक्षण करना महत्वपूर्ण : सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा- यह कोई प्रतिद्वंद्वी मुकदमा नहीं है, बल्कि अरावली पर्वतमाला का संरक्षण करना उद्देश्य है। पीठ ने कहा- 29 दिसंबर 2025 के आदेश में स्वतः संज्ञान लेते हुए जिन पॉइंट को रेखांकित किया था। उन्हें देखते हुए अरावली की परिभाषा से जुड़े वैज्ञानिक, पर्यावरणीय, भूवैज्ञानिक एवं विधिक पहलुओं की पुनः समीक्षा के लिए स्वतंत्र विशेषज्ञ निकाय की आवश्यकता हो सकती है।

सुप्रीम कोर्ट लाइव

- **बेंच:** पहले जारी अंतरिम आदेश जारी रहेगा।
- **सीजेआई:** कुछ तरह की अवैध गतिविधियां अब भी जारी हैं। अवैध खनन से ऐसे हालात बन सकते हैं, जिन्हें सुधारा नहीं जा सकेगा।
- **सीजेआई:** नई रिट याचिकाएं दाखिल न करें। हमें पता है कि ये याचिकाएं क्यों दायर की जा रही हैं।
- **वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल (हस्तक्षेप याचिकाकर्ता की ओर से):** हम अरावली का इतिहास जानते हैं। इसकी परिभाषा के पीछे विज्ञान होना चाहिए।
- **सीजेआई:** हमें अलग-अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञों की जरूरत है। सभी लोग नाम सुझाएं। हम चरणबद्ध तरीके से एक्सपर्ट्स की टीम बनाएंगे।
- **कपिल सिब्बल:** कृपया 30 मिनट की प्रारंभिक सुनवाई हो। हिमालय और अरावली जैसी पर्वतमालाओं को परिभाषित नहीं किया जा सकता। इनमें टेक्टोनिक मूवमेंट होते रहते हैं।
- **एक अन्य वकील:** हम कोर्ट के सुओ मोटो आदेश का स्वागत करते हैं। हमने किसानों के साथ जमीनी स्तर पर काम किया है, जियो-टैगिंग भी की है।
- **सीजेआई:** 29 दिसंबर 2025 के आदेश के संदर्भ में, कोर्ट के सामने एक व्यापक नोट और अहम सवाल रखे जाएंगे, ताकि सही फैसला लिया जा सके।
- **सीजेआई:** राजस्थान सरकार की ओर से के.एम. नटराजन ने कहा है कि राज्य तुरंत सुनिश्चित करेगा कि प्रदेश में कोई अवैध खनन न हो।
- **सीजेआई:** कपिल सिब्बल की ओर से दायर अंतरिम आवेदन मंजूर किया जाता है।

अरावली केस; सुप्रीम कोर्ट का अपने ऑर्डर पर स्टे:पहले 100 मीटर से छोटी पहाड़ियों पर खनन को मंजूरी दी थी, अब रोक लगाई

जयपुर| अरावली पर्वतमाला को लेकर उठे विवाद के बीच सुप्रीम कोर्ट ने अपने ही आदेश पर सोमवार को रोक लगा दी है। 20 नवंबर को जारी आदेश में 100 मीटर से छोटी पहाड़ियों पर खनन के आदेश दिए थे, अब 21 जनवरी 2026 तक खनन पर रोक लगा दी है।

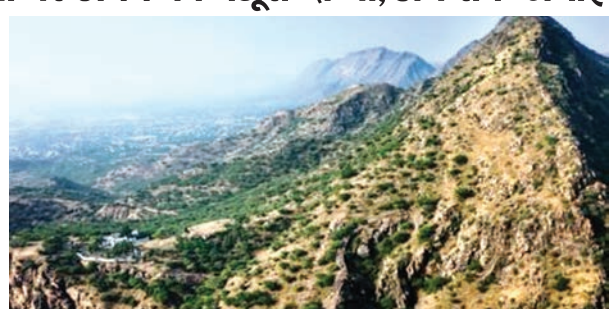

कोर्ट ने कहा है कि इस मामले की जांच के लिए एक्सपर्ट कमेटी गठित की जाए। यह कमेटी मौजूदा विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट का विश्लेषण करेगी। इसके बाद संबंधित मुद्दों पर कोर्ट को सुझाव देगी। कोर्ट ने केंद्र और अरावली के चार राज्यों (राजस्थान, गुजरात, दिल्ली और हरियाणा) को भी नोटिस जारी कर इस मुद्दे पर जवाब मांगा है।

सॉलिसिटर जनरल ने कहा- गलतफहमियां फैलाई जा रहीं : सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत से कहा कि इस मामले में अदालत के आदेशों, सरकार की भूमिका और पूरी प्रक्रिया को लेकर कई तरह की गलतफहमियां फैलाई जा रही हैं। इन्हीं भ्रमों को दूर करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित की गई थी। समिति ने अपनी रिपोर्ट सौंपी थी, जिसे अदालत ने स्वीकार भी किया था।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि अदालत की भी यही भावना है कि विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट और उसके आधार पर अदालत द्वारा की गई कुछ टिप्पणियों को लेकर गलत अर्थ निकाले जा रहे हैं। सीजेआई ने संकेत दिया कि इन गलत धारणाओं को दूर करने के लिए स्पष्टीकरण की जरूरत पड़ सकती है, ताकि अदालत की मंशा और निष्कर्षों को लेकर कोई भ्रम न रहे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट या अदालत के फैसले को लागू करने से पहले एक निष्पक्ष और स्वतंत्र मूल्यांकन जरूरी है, ताकि कई अहम सवालों पर स्पष्ट दिशा मिल सके।

सोना पहली बार 1.5 लाख पार, 7795 बढ़ा : 21 दिन में 22 हजार महंगा हुआ; चांदी 10 हजार बढ़कर 3.20 लाख पर पहुंची

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल) | सोने की कीमत आज यानी 21 जनवरी को 1.50 लाख रुपए पार कर गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार सोना आज 7,795 रुपए बढ़कर 1,55,204 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला है। कल ये 1,47,409 रुपए पर था। सोना इस साल अब तक 21,744 रुपए महंगा हो चुका है। वहीं 1 किलो चांदी की कीमत आज 10,730 रुपए बढ़कर 3,20,075 रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले कल ये 3,09,345 रुपए पर थी। चांदी इस साल सिर्फ 21 दिनों में ही 90,825 रुपए महंगी हो चुकी है। सोने-चांदी के दाम लगातार तीसरे दिन अपने ऑलटाइम हाई पर हैं।

सोने में तेजी के 3 बड़े कारण

1. ग्लोबल टेंशन और 'ग्रीनलैंड' विवाद: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की जिद और इस मुद्दे पर यूरोपीय देशों को टैरिफ की धमकी ने वैश्विक बाजारों बाजारों अस्थिरता बढ़ गई है। जब भी दुनिया में ट्रेड वॉर का खतरा बढ़ता है, निवेशक शेयर बाजार से पैसा निकालकर सुरक्षित निवेश यानी सोने की ओर भागते हैं।

2. रुपए की रिकॉर्ड कमजोरी : भारत में सोने की कीमत केवल वैश्विक दरों पर नहीं, बल्कि डॉलर-रुपया एक्सचेंज रेट पर भी निर्भर करती है। आज रुपया डॉलर के मुकाबले 91.10 के ऑल-टाइम लो पर है। एलकेपी सिक्योरिटीज के जतिन त्रिवेदी के अनुसार, रुपए की कमजोरी की वजह से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खरीदे जाने वाले सोने की लैंडिंग कॉस्ट भारत में बहुत महंगी हो गई है, जिससे घरेलू बाजार में कीमतें 1.5 लाख के पार निकल गईं।

3. सेंट्रल बैंकों की भारी खरीदारी: दुनिया भर के केंद्रीय बैंक (जैसे भारत का आरबीआई) अपने विदेशी मुद्रा भंडार को सुरक्षित रखने के लिए सोने का स्टॉक बढ़ा रहे हैं। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के आंकड़ों के अनुसार, 2025 में रिकॉर्ड खरीदारी के बाद 2026 की शुरुआत में भी सेंट्रल बैंकों की मांग मजबूत बनी हुई है, जिससे सप्लाई कम और डिमांड ज्यादा होने के कारण कीमतें बढ़ रही हैं।

1.90 लाख तक जा सकता है सोना : रिसर्च हेड डॉ रेनिशा चैनानी के अनुसार, अगर अमेरिकी टैरिफ और मध्य पूर्व में तनाव और बढ़ता है, तो सोना 2026 में 1,90,000 रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। वहीं चांदी 4 लाख रुपए तक जा सकती है।

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने फर्जी पिज्जा हट का उद्घाटन किया:कंपनी बोली- हमारा कोई लेना देना नहीं; सोशल मीडिया पर मजाक बना

इस्लामाबाद (राजधानी चौपाल) | पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ एक अजीब विवाद में फंस गए हैं। उन्होंने सियालकोट कैंटोनमेंट में पिज्जा हट ब्रांड वाले एक आउटलेट का उद्घाटन किया। लेकिन कुछ ही घंटों बाद पिज्जा हट कंपनी ने इस आउटलेट को फर्जी बता दिया। सोशल मीडिया पर उद्घाटन की तस्वीरें और वीडियो वायरल होने के बाद पिज्जा हट पाकिस्तान ने बयान जारी कर साफ किया कि इस आउटलेट से उसका कोई लेना-देना नहीं है। वायरल तस्वीरों और वीडियो में ख्वाजा आसिफ सियालकोट कैंटोनमेंट में बने आउटलेट का फीता काटते नजर आ रहे हैं। उन्होंने हाथ में कैंची लेकर कैमरे के सामने पोज भी दिया।

सोशल मीडिया पर आसिफ मजाक बना : यह मामला सामने आते ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लोगों ने इसे लेकर मजाक उड़ाना शुरू कर दिया। एक यूजर ने लिखा, "रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सियालकोट में एक फर्जी पिज्जा हट फ्रेंचाइजी का उद्घाटन किया। ये बेवकूफ बूढ़े लोग हम पर थोपे गए हैं।" एक अन्य यूजर ने मजाक करते हुए लिखा, "जब पिज्जा हट खुद कह दे, यह हमारी स्लाइस नहीं है।" पिज्जा हट ने ब्रांड के गलत इस्तेमाल का आरोप लगाया पिज्जा हट पाकिस्तान ने बयान जारी कर कहा कि सियालकोट कैंटोनमेंट में खुला यह रेस्टोरेंटपिज्जा हट के नाम और ब्रांड का गलत इस्तेमाल कर रहा है। कंपनी ने कहा कि यह आउटलेट उससे जुड़ा नहीं है यह पिज्जा हट इंटरनेशनल की रेसिपी, क्वालिटी प्रोटोकॉल, फूड सेफ्टी और ऑपरेशनल स्टैंडर्ड का पालन नहीं करता। कंपनी ने यह भी बताया कि उसने अपने ट्रेडमार्क के दुरुपयोग को रोकने के लिए संबंधित अधिकारियों के पास औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है।

दिल्ली में सुनीता विलियम्स बोलीं

भारत आना घर वापसी जैसा : चांद पर जाना चाहती हूं, लेकिन मेरे पति मुझे इजाजत नहीं देंगे

भारतीय मूल की अमेरिकी एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स ने मंगलवार को कहा, इस समय दुनिया में अंतरिक्ष को लेकर एक तरह की होड़ (स्पेस रेस) चल रही है। कई देश चांद और अंतरिक्ष में आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। लक्ष्य सिर्फ पहले पहुंचना नहीं है, बल्कि यह है कि इंसान सुरक्षित, टिकाऊ और लंबे समय तक रहने लायक तरीके से चांद पर जाए।

सुनीता ने यह बात दिल्ली के अमेरिकन सेंटर में 'आंखें सितारों पर, पैर जमीं पर' सेमिनार में कहीं। उन्होंने यह भी कहा कि यह काम सबके फायदे, सहयोग और पारदर्शिता के साथ, लोकतांत्रिक तरीके से किया जाना चाहिए, ताकि किसी एक देश का दबदबा न हो और पूरी मानवता को इसका लाभ मिले। सभी देश सहयोग के साथ आगे बढ़ें, बिल्कुल अंटार्कटिका मॉडल की तर्ज पर।

सुनीता बोलीं- स्पेस से धरती देखने पर महसूस होता है कि हम सब एक हैं

60 साल की विलियम्स हाल ही में नासा से रिटायर हुईं हैं। उन्होंने अंतरिक्ष में 608 दिन बिताए हैं। 9 स्पेस वॉक भी किए हैं।

- **अंतरिक्ष में बिताए दिन पर:** क्या स्पेस ट्रैवल ने उनकी जिंदगी के नजरिए को बदला है, तो उन्होंने कहा- हां, बिल्कुल। जब आप धरती को स्पेस से देखते हैं, तो महसूस होता है कि हम सब एक हैं और हमें ज्यादा करीब से मिलकर काम करना चाहिए।
- **अंतरिक्ष में फैले कचरे पर:** पिछले एक दशक में यह एक बड़ी चुनौती बन गई है और इसे मैनेज करने के लिए नई टेक्नोलॉजी की जरूरत है।

विलियम्स ने कहा- भारत आना उन्हें घर वापसी जैसा विलियम्स ने कहा कि भारत आना उन्हें घर वापसी जैसा लगता है, क्योंकि उनके पिता गुजरात के मेहसाणा जिले के झूलासन गांव से थे। वहीं, चांद पर जाने के के सवाल पर मजाकिया लहजे में कहा कि मैं चंद्रमा पर जाना चाहती हूं, लेकिन मेरे पति मुझे इजाजत नहीं देंगे।

घर वापसी और जिम्मेदारी सौंपने का समय आ गया है। अंतरिक्ष खोज में अगली पीढ़ी को अपना स्थान बनाना होगा।

RNI No. HARHIN/25/A3341, प्रकाशक, मुद्रक स्वामी एवं संपादक राहुल कुमार द्वारा सूचना प्रिंटर्स 33एस मॉडल टाउन, हिसार से छपवाकर कार्यालय आदमपुर मंडी हिसार, (किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र हिसार न्यायालय होगा)।
संपादक : राहुल कुमार, फोन : 9306813001, e-mail : rajdhanichoupal@gmail.com, प्रकाशन स्थल : मकान संख्या : 114, शांति पार्क के पास, मंडी आदमपुर, हिसार (हरियाणा)